www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

29.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 96.325g

चांदी 97,900kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद

https://x.com/BharatSamvad

www.facebook.com/bharatsamvad.in

www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n

E-Paper bharatsamvad.live

2 मजाक बना अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, डब्ल्यूटीओ जैसी संस्थाएं प्रासंगिकता खो रही

अमेरिकी एक्सपर्ट बोले-ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान कब्जे के लिए नहीं था 04

वर्ष :08 | अंक :323 | मुंबई , गुरूवार 15 मई , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

भारत ने अपनाया चिप-बेस्ड ई-पासपोर्ट, 2025 मिड तक पूरे देश में मिलेगी ये सुविधा

पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (पीएसपी) संस्करण 2.0 के हिस्से के रूप में विदेश मंत्रालय ने ई-पासपोर्ट पहल शुरू की है। यह न केवल भारत की पासपोर्ट प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि पासपोर्ट धारकों के डेटा के दोहराव से बचने में भी मदद करेगा। ई-पासपोर्ट पहचान सत्यापन को और अधिक कुशल बना देगा, साथ ही धोखाधड़ी के खिलाफ बेहतर सुरक्षा प्रदान करेगा। ई-पासपोर्ट पारंपरिक कागजी दस्तावेजों का एक संयोजन है जिसमें एक सुरक्षित, इलेक्ट्रॉनिक चिप होती है जिसमें व्यक्तिगत और बायोमेट्रिक डेटा होता है। ई-पासपोर्ट एक रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) चिप का उपयोग करता है जो सभी व्यक्तिगत जानकारी और बायोमेट्रिक विवरण संग्रहीत करता है। ई-पासपोर्ट की पहचान करना बहुत आसान है क्योंकि यह पासपोर्ट के सामने के कवर के नीचे एक छोटे से अतिरिक्त सुनहरे रंग के प्रतीक के साथ आता है। बढ़ी हुई सुरक्षाः ई-पासपोर्ट का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें डिजिटल हस्ताक्षरित चिप होती है, जो जालसाजी, पासपोर्ट की नकल और पहचान की चोरी के जोखिम को कम करती है।

जेएनयू ने तुर्की के इनोनू विश्वविद्यालय के साथ समझौते को अगले आदेश तक किया स्थगित

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने घोषणा की है कि उसने तुर्की के इनोनू विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन को रद्द कर दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में, जेएनयू ने कहा कि यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से लिया गया है। विश्वविद्यालय के एक्स पोस्ट में आगे कहा कि जेएनयू राष्ट्र के साथ खड़ा है। राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से, जेएनयू और इनोनू विश्वविद्यालय, तुर्की के बीच समझौता ज्ञापन को अगली सूचना तक निलंबित कर दिया गया है। भारत के तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापारिक संबंधों में तनाव आने की आशंका है, क्योंकि इन दोनों देशों ने पाकिस्तान का समर्थन किया है और वहां आतंकी ठिकानों पर भारत के हालिया हमलों की निंदा की है। पाकिस्तान को उनके समर्थन के बाद, पूरे देश में तुर्किये के सामान और पर्यटन का बहिष्कार करने की मांग उठ रही है। इसके अलावा, ईजमाईट्रिप और इक्सिगो जैसे ऑनलाइन यात्रा मंच ने इन देशों की यात्रा के खिलाफ परामर्श जारी किया है। वास्तव में, भारतीय कारोबारियों ने भी तुर्किये के सेब और संगमरमर जैसे उत्पादों का बहिष्कार करना शुरू कर दिया है। भारत ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की अहम बैठक

भारत-पाक तनाव के बाद पहली समीक्षा, राजनाथ सिंह और अमित शाह भी मौजूद

महत्वपूर्ण बैठक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य तनाव में शांति की सहमति बनने के बाद आयोजित की गई है। यह भारत और पाकिस्तान के बीच.

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य तनाव में शांति की सहमति बनने के बाद आयोजित की गई है। यह भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति बनने के बाद सीसीएस की पहली बैठक है। इस बैठक में प्रधानमंत्री के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद हैं। बैठक में देश की सुरक्षा स्थिति का आकलन किया जा रहा है। इस बैठक के बाद प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक भी होगी।

सीसीएस बैठक के बाद मंत्रिमंडल की बैठक

सीसीएस बैठक के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की एक और बैठक भी बुलाई गई, जिसमें देश के आंतरिक मामलों, आर्थिक हालात और अन्य नीतिगत फैसलों पर चर्चा की गई।

बैठक के निहितार्थः कूटनीति और रणनीति पर बड़ा असर

यह बैठक न सिर्फ भारत की रक्षा नीति को दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि भारत अपनी संप्रभुता और सुरक्षा पर किसी तरह का समझौता नहीं करेगा। पाकिस्तान के साथ सीमा पर जारी तनाव के बीच यह उच्चस्तरीय समीक्षा रणनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है।

जेवर एयरपोर्ट के पास बनेगी सेमीकंडक्टर यूनिट, 3,706 करोड़ रुपये का होगा निवेश, कैबिनेट की मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश में एचसीएल-फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम सेमीकंडक्टर संयंत्र की स्थापना को मंजूरी दी। इसपर 3,706 करोड़ रुपये का निवेश होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बात की जानकारी दी। वैष्णव ने कहा कि एचसीएल-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयंत्र में मोबाइल फोन, लैपटॉप, वाहन, अन्य उपकरणों के लिए डिस्प्ले ड्राइवर चिप का विनिर्माण होगा। एचसीएल-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयंत्र में प्रति माह 20,000 वेफर्स का विनिर्माण होगा। वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश के जेवर में भारत की छठी सेमीकंडक्टर इकाई को मंजूरी दे दी है। भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत अब तक 5 सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी दी जा चुकी है और वहां तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। एक इकाई में इसी साल उत्पादन शुरू हो जाएगा। इसी कड़ी में एक और अति-उन्नत इकाई है। यह एचसीएल और फॉक्सकॉन का संयुक्त उपक्रम है।

भारत ने ट्रंप के युद्धविराम के दावे को किया खारिज

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया है कि उनकी सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक ऐतिहासिक युद्धविराम में मध्यस्थता की है। हालांकि भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि भारत अपनी विदेश और रक्षा नीति में किसी बाहरी मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता।

उच्चस्तरीय मौजूदगीः रक्षा, गृह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल

इस बैठक में प्रधानमंत्री के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष रक्षा व सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। इसका मुख्य उद्देश्य देश की सुरक्षा स्थिति का व्यापक मूल्यांकन करना था।

विजय शाह पर 4 घंटे में दर्ज हो एफआईआर : हाई कोर्ट

कर्नल सोफिया कुरैशी पर बयानबाजी को लेकर हाई कोर्ट ने दिया आदेश

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में विवादित टिप्पणी करने पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य के मंत्री विजय कुमार शाह के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और अनुराधा शुक्ला की खंडपीठ ने कड़े शब्दों में आदेश देते हुए राज्य सरकार को चार घंटे के भीतर शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने एफआईआर दर्ज करने और अनुपालन रिपोर्ट पेश करने के लिए बुधवार शाम 6 बजे तक की सख्त समय सीमा तय की। शाह की टिप्पणी ने पूरे देश में हंगामा मचा दिया है, कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने उन्हें मंत्रिमंडल से तत्काल हटाने की मांग की है। मंगलवार को मंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के बावजूद, विवाद बढ़ता ही जा रहा है और व्यापक आलोचना हो रही है। उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने दबाव की एक नई परत जोड़ दी है, जो संकेत देता है कि मामला अभी सुलझने से बहुत दूर है। इस बीच, मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जीतू पटवारी ने भी इस घटना को लेकर शाह के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। भोपाल में मीडिया से बात करते हुए पटवारी ने कहा कि हमने मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

> शाह की टिप्पणी ने पूरे देश में हंगामा मचा दिया है, कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने उन्हें मंत्रिमंडल से तत्काल हटाने की मांग की है। मंगलवार को मंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के बावजूद, विवाद बढ़ता ही जा रहा है और व्यापक आलोचना हो रही है। उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने दबाव की एक नई परत जोड़ दी है, जो संकेत देता है कि मामला अभी सुलझने से बहुत दूर है।

बीएसएफ जवान पूर्णम शॉ की पत्नी ने पाकिस्तान से पति की सुरक्षित रिहाई के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया

> पाकिस्तान की हिरासत से बुधवार को रिहा किए गए सीमा सुरक्षा बल के कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ के परिवार के सदस्यों ने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार और बीएसएफ के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। शॉ के परिवार के एक सदस्य ने संवाददाताओं से कहा, आज हम बेहद खुश हैं।

एजेंसी

कहा- 'सभी का दिल से आभार'

नई दिल्लीः पाकिस्तान की हिरासत से बुधवार को रिहा किए गए सीमा सुरक्षा बल के कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ के परिवार के सदस्यों ने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार और बीएसएफ के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। शॉ के परिवार के एक सदस्य ने संवाददाताओं से कहा, आज हम बेहद खुश हैं। हम उन्हें सुरक्षित वापस लाने के केंद्र सरकार और बीएसएफ अधिकारियों के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। पिछले दो सप्ताह हमारे लिए अनिश्चितता से भरे रहे और हम सो नहीं सके। हम उनकी कुशलक्षेम को लेकर चिंतित थे। शॉ के परिजन ने कहा, अब हम उनसे बात करने और उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हमारी प्रार्थना आखिरकार कबूल हो गई है। 23 अप्रैल 2025 से पाकिस्तान रेंजर्स की हिरासत में रहे बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ बुधवार को भारत वापस आ गए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जस्टिस बीआर गवई को भारत के चीफ जस्टिस के रूप में शपथ दिलाई

न्यायमूर्ति गवई बुधवार को भारत के सीजेआई के तौर पर शपथ ली. सीजेआई संजीव खन्ना की सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने उनका स्थान लिया है.

> जस्टिस गवई ने 16 मार्च 1985 को वकालत की दुनिया में प्रवेश किया. उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के लिए सरकारी वकील और बाद में सरकारी अभियोजक की भूमिका निभाई. उन्हें 14 नवंबर, 2003 को बॉम्बे हाई कोर्ट का जज नियुक्त किया गया. 24 मई, 2019 को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति मिलने से पहले, उन्होंने हाई कोर्ट में 16 साल तक काम किया.

एजेंसी

नई दिल्लीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जस्टिस बीआर गवई को भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जस्टिस बीआर गवई को देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्त करने की मंजूरी प्रदान की थी. जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई, जिन्हें बीआर गवई के नाम से जाना जाता है, 14 मई, 2025 को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में औपचारिक रूप से शपथ ग्रहण किया. वर्तमान मुख्य न्यायाधीश ऑफ इंडिया संजीव खन्ना ने जस्टिस गवई के नाम की सिफारिश की थी. संजीव खन्ना का मौजूदा कार्यकाल 13 मई को समाप्त हो गया. जस्टिस गवई का कार्यकाल छह महीने का होगा और वे नवंबर 2025 में रिटायर होंगे. उनके मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यकाल 14 मई 2025 से 24 नवंबर 2025 तक चलेगा.

जस्टिस गवई महाराष्ट्र के अमरावती जिले के रहने वाले हैं. उनके पेशेवर जीवन के प्रमुख निर्णयों में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने और उस क्षेत्र को दो अलग-अलग केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने का फैसला शामिल है।

वर्षों की शांति के बाद सीमावर्ती इलाकों में फिर चर्चा में आया बंकर, उमर अब्दुल्ला का बयान

> बारामुल्ला जिले के उरी के दौरे के दौरान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित इलाकों की स्थिति की समीक्षा की और स्थानीय लोगों के लिए ऐसे सुरक्षात्मक ढांचों की जरूरत पर ध्यान दिया, जिनकी जरूरत पिछले कुछ सालों में कम होती जा रही थी, लेकिन हाल ही में हिंसा बढ़ने के बाद यह जरूरत कम होती जा रही थी।

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान की ओर से सीमा पार से की गई भीषण गोलाबारी के बाद बंकर एक बार फिर जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में चर्चा का मुख्य विषय बन गए हैं। इस गोलाबारी में जान-माल का नुकसान हुआ है और बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। बारामुल्ला जिले के उरी के दौरे के दौरान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित इलाकों की स्थिति की समीक्षा की और स्थानीय लोगों के लिए ऐसे सुरक्षात्मक ढांचों की जरूरत पर ध्यान दिया, जिनकी जरूरत पिछले कुछ सालों में कम होती जा रही थी, लेकिन हाल ही में हिंसा बढ़ने के बाद यह जरूरत कम होती जा रही थी। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने निवासियों की मांगों के अनुरूप उन्हें व्यक्तिगत बंकर उपलब्ध कराने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर बल दिया।

एक दिन आतंकवाद पाकिस्तान को निगल जाएगा : सीएम योगी

भारत शौर्य तिरंगा यात्रा में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का कटाक्ष

> पाकिस्तान को उसकी गलत हरकतों के लिए चेतावनी देते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वालों को ऐसी स्थिति में डाल दिया जाएगा कि कोई भी उनके अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाएगा।

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की और चेतावनी दी कि एक दिन वह पाकिस्तान को निगल जाएगा। पाकिस्तान को उसकी गलत हरकतों के लिए चेतावनी देते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वालों को ऐसी स्थिति में डाल दिया जाएगा कि कोई भी उनके अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाएगा। लखनऊ में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा में जनता को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, एक दिन आतंकवाद पाकिस्तान को भी निगल जाएगा। पाकिस्तान पूरी तरह खोखला हो चुका है। ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान की हरकतों का जवाब था। जो लोग भारत पर उंगली उठाते हैं और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाते हैं, उन्हें ऐसी स्थिति में डाल दिया जाएगा कि कोई भी उनके अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाएगा।

अमरीकी पापा ने वार रुकवा दी क्या?

ट्रंप की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर किया कटाक्ष

> कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि कुछ दिन पहले हमें अमेरिका के राष्ट्रपति से पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम के बारे में पता चला। अब, कल सऊदी अरब में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में, राष्ट्रपति ने खुलासा किया कि उन्होंने प्रतिबंधों और व्यापार सौदों के लालच में भारत को इस युद्ध विराम के लिए मजबूर किया और ब्लैकमेल किया।

एजेंसी

नई दिल्लीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने के अपने दावों को दोहराए जाने के बाद कांग्रेस ने बुधवार को पूछा कि आम तौर पर बड़बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को इस खुलासे के बारे में क्या कहना है और क्या उन्होंने अमेरिकी दबाव के सामने भारत के सुरक्षा हितों को गिरवी रख दिया है। मंगलवार को सऊदी अरब में बोलते हुए ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि उनके प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ती हिंसा को रोकने के लिए सफलतापूर्वक ऐतिहासिक संघर्ष विराम कराया। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि कुछ दिन पहले हमें अमेरिका के राष्ट्रपति से पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम के बारे में पता चला।

पलटवार | सीजफायर पर आतिशी का सवाल, बीजेपी ने किया पलटवार

अमेरिकी हस्तक्षेप के आगे घुटने टेके...

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने पहलगाम में हुए क्रूर आतंकी हमले का बदला लेने से पहले पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम स्वीकार करने के मोदी सरकार के फैसले पर तीखे सवाल उठाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधे निशाना साधते हुए आतिशी ने कहा कि सरकार ने अमेरिकी हस्तक्षेप के आगे घुटने टेक दिए, ठीक उस समय जब भारतीय सेना आतंकवादियों और उनके समर्थकों पर निर्णायक प्रहार कर रही थी। आतिशी ने पूछा, क्या हमने देश की बहनों और बेटियों के 'सिंदूर' का बदला लिया- या अमेरिका के साथ व्यापार उनके बलिदान से ज्यादा मूल्यवान समझा गया? उन्होंने पूछा कि युद्ध विराम की घोषणा वाशिंगटन ने क्यों की, न कि नई दिल्ली ने और पाकिस्तान ने अभी तक पहलगाम हमले के अपराधियों को क्यों नहीं सौंपा है। डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने कहा, 22 अप्रैल को पहलगाम में कायराना आतंकी हमला हुआ। आतंकियों ने निहत्थे पर्यटकों पर हमला किया। पूरे देश ने हमारी बहनों और बेटियों के आंसू देखे। पूरा देश उनके लिए न्याय चाहता था। उन्होंने कहा, 7 मई को जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, तो पूरा देश हमारी सेना के साथ एकजुट हो गया। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी शिविरों पर हमला करके अपनी ताकत साबित की। आतिशी ने इन महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सवालों का जवाब देने में विफल रहने के लिए पीएम मोदी की तीखी आलोचना की और कहा, कल प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के साथ एकतरफा बातचीत की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हाथ जोड़ लिए और उन्हें उन पर दया आ गई, इसलिए उन्होंने युद्धविराम पर सहमति जताई। लेकिन उनके बयान ने जवाब देने से ज्यादा सवाल खड़े कर दिए हैं और पूरा देश जानना चाहता है। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और आप नेता आतिशी के भारत-पाकिस्तान समझौते पर दिए गए बयान पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, बंद एयर कंडीशन वाले कमरे में टीवी देखते हुए कुछ भी कहना बहुत आसान है... 140 करोड़ लोगों की देखभाल करना और सही निर्णय लेना वही व्यक्ति कर सकता है जिसका काम ऐसा करना है।

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधे निशाना साधते हुए आतिशी ने कहा कि सरकार ने अमेरिकी हस्तक्षेप के आगे घुटने टेक दिए, ठीक उस समय जब भारतीय सेना आतंकवादियों और उनके समर्थकों पर निर्णायक प्रहार कर रही थी।

मोदी सरकार को राजनीतिक रूप से दंडित न करें...

संघर्ष विराम तो लेकर ऐसा क्यों बोलीं महबूबा मुफ़्ती

एजेंसी

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि विपक्ष को बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देने से बचना चाहिए और नरेंद्र मोदी सरकार को शांतिपूर्ण तरीके तलाशने के लिए राजनीतिक रूप से दंडित नहीं किया जाना चाहिए। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख मुफ्ती ने कहा कि जो लोग एयर-कंडीशन स्टूडियो और ड्राइंग रूम में बैठकर संघर्ष विराम की आलोचना करते हैं, उन्हें सीमा पर अपने परिवारों के साथ समय बिताना चाहिए ताकि वे मौत और विनाश की दैनिक वास्तविकता को सही मायने में समझ सकें। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मैं सभी विपक्षी दलों से अपील करती हूं कि वे बिना सोचे-समझे आलोचना करने या राजनीतिक लाभ कमाने की प्रवृत्ति से बचें। मोदी सरकार को शांतिपूर्ण तरीके अपनाने के लिए राजनीतिक रूप से दंडित नहीं किया जाना चाहिए। यह समय विभाजन का नहीं, बल्कि द्विपक्षीय राजनीति का है। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि जिस तरह पहलगाम की घटना ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक की आवाजों को एक कर दिया, उसी तरह राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने वाली शांति प्रक्रिया पर राष्ट्रीय सहमति बनाने की जरूरत है।

> पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख मुफ्ती ने कहा कि जो लोग एयर-कंडीशन स्टूडियो और ड्राइंग रूम में बैठकर संघर्ष विराम की आलोचना करते हैं, उन्हें सीमा पर अपने परिवारों के साथ समय बिताना चाहिए ताकि वे मौत और विनाश की दैनिक वास्तविकता को सही मायने में समझ सकें।

सम्पादकीय

आतंक के खिलाफ पीएम मोदी का नया सिद्धांत, अंदर घुसकर मारता है नया भारत

आतंकवाद के विरुद्ध हमारी प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय है। आतंकवाद के विरुद्ध भारत ने मजबूती से खड़े होकर एक सुर में बात की और एकता की शक्ति से आक्रमण किया। ऑपरेशन सिंदूर अंत नहीं है। यह स्पष्टता साहस और आतंकवाद से निपटने के लिए हमारे संकल्प के एक नए युग का आरंभ है। पहलगाम में आतंकियों के हाथों हुआ नरसंहार केवल निर्दोष लोगों के जीवन पर हमला नहीं था। यह भारत की अंतरात्मा पर भी किया गया आक्रमण था। इसके प्रत्युत्तर में भारत ने आतंकवाद रोधी कार्रवाई की नियम पुस्तिका के पुनर्लेखन का निर्णय लिया। ऑपरेशन सिंदूर वास्तव में राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों की रक्षा के लिए मोदी सरकार की आतंक को बर्दाश्त न करने और कोई समझौता न करने की नई नीति है। यह आतंकवाद के खिलाफ मोदी सिद्धांत की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने टेलीविजन पर राष्ट्र के नाम संबोधन में आतंकवाद से निपटने के लिए अपने इस सिद्धांत की रूपरेखा प्रस्तुत की। हाल की घटनाओं के आधार पर निर्मित यह सिद्धांत आतंकवाद और बाहरी खतरों पर भारत की प्रतिक्रिया के लिए निर्णायक तौर-तरीके निर्धारित करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सुनिश्चित किया कि सिंधु जल संधि को निलंबित करने से लेकर आतंकी शिविरों पर सैन्य प्रहार करने तक का हर कदम सावधानीपूर्वक, योजनाबद्ध और समयबद्ध तरीके से उठाया जाएगा। इस संदर्भ में सरकार ने उत्तेजना में कार्रवाई करने के बजाय रणनीतिक रूप से ठोस कार्रवाई के रास्ते को चुना। इससे पाकिस्तान और आतंकी समूह भारत की प्रतिक्रिया का अनुमान नहीं लगा सके। इसके कारण ही ऑपरेशन सिंदूर को आश्चर्यजनक सटीकता और पूर्ण प्रभाव के साथ अंजाम देना सुनिश्चित हो सका। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में भारत की औपचारिक नीति को व्यक्त करता है। नई सामान्य स्थिति का परिचायक है ऑपरेशन सिंदूर। यह भारत के रणनीतिक दृष्टिकोण में निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। प्रधानमंत्री के अनुसार इस आपरेशन ने आतंकवाद रोधी उपायों का नया मानक स्थापित किया है, जो नई सामान्य स्थिति को प्रकट करता है। प्रधानमंत्री ने संबोधन में यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक नाम नहीं है, बल्कि यह देश के लाखों लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। इसके माध्यम से दुनिया को भारत की ओर से यह संदेश दिया गया कि बर्बरता का सामना संतुलित और सटीक बल प्रयोग से किया जाएगा। आतंकवाद के साथ पड़ोसी देश की साठगांठ अब कूटनीतिक आवरण या परमाणु हथियारों की धमकियों से जुड़ी बयानबाजी के पीछे नहीं छिप सकेगी। मोदी सिद्धांत के तीन स्तंभ हैं।

आज का विचार

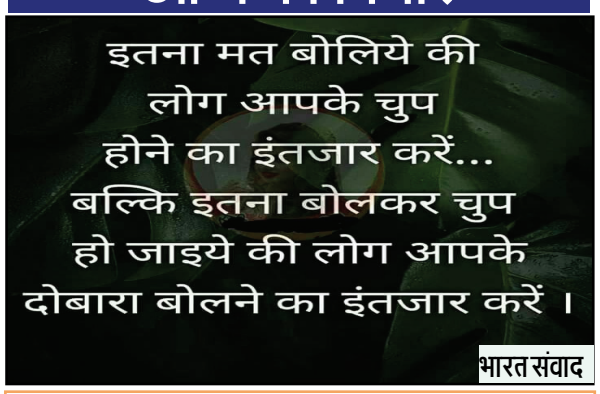

राशिफल

मेष राशि : आपका दिन शानदार रहेगा.माता-पिता के साथ रिश्ते मधुर होंगे. पारिवारिक रिश्तों में भी मधुरता बरकरार रहेगी. आपको जीवनसाथी से पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा. संतान पक्ष से कोई खुशखबरी आपको मिल सकता है. कल आपकी सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. आप चीजों को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश करेंगे. साथ ही कोई गोपनीय बात आपको पता चल सकती है.

वृषभ राशि : आपका दिन उत्तम रहेगा. कल आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. आपका आर्थिक पक्ष काफी मजबूत रहेगा. पर्यटन से जुड़े लोगों को धन लाभ होगा. आप खुद को उजार्वान महसूस करेंगे. परिवार में सदस्यों के साथ रिश्ते में सुधार होगा. परिवार में सुख शांति बनी रहेगी.

मिथुन राशि : आपका दिन मिला-जुला रहेगा. आप अपने काम में किसी मित्र का सहयोग ले सकते हैं. आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी. धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के नए आसार खुल सकते हैं. कल किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए.

कर्क राशि : आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा. कल आपके सारे जरूरी कामकाज पूरे हो जायेंगे. पैसों के मामले में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए. आपका खर्च बढ़ सकता है. किसी को उधार पैसा देने में सोच-विचार करना बेहतर रहेगा. कोई करीबी व्यक्ति आपको धोखा देने की कोशिश कर सकता है.

सिंह राशि: आपका दिन बेहतर रहेगा. आप अपने जीवन में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे. पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान कल निकल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा. उधार दिया हुआ पैसा अचानक वापस मिलेगा. परिवार में धार्मिक कार्य की योजना बन सकती है.

कन्या राशि : आपका दिन फेवरेबल रहेगा. जीवनसाथी के साथ डिनर करने जा सकते है. साथ ही रिश्तों में पॉजिटिविटी भी आयेगी. कामकाज में सफलता मिलेगी. दोस्तों से फायदा मिलने की उम्मीद है. कल आपका उत्साह बढ़ा हुआ रहेगा.

तुला राशि : आपका दिन मिला-जुला रहेगा. आपका ध्यान अपने कार्य को पूरा करने में लगा रहेगा. इस राशि के छात्रों का दोस्तों के साथ मेल-जोल बढ़ सकता है. आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आ सकती है, जिन्हें आप सफलतापूर्वक निभाएंगे. कोई बड़ा काम संतान की मदद से पूरा हो जायेगा.

वृश्चिक राशि: आपका दिन बढ़िया रहेगा. कल जो भी काम आप शुरू करेंगे उसे समय से पूरा कर लेंगे. जीवनसाथी की उपलब्धियों की सराहना करने से आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आयेगी. स्टूडेंट्स को पढ़ाई-लिखाई में सफलता मिल सकती है. आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

धनु राशि: आपका दिन बेहतरीन रहेगा. पैसों के संबंध में अच्छी खबर मिलेगी कामकाज से भी जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है. आपके सोचे हुए सारे काम कल पूरे होंगे. किसी समारोह में आपकी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जो आपके लिए बहुत खास साबित होगा.

मकर राशि : आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा. आप परिवार वालों के साथ किसी ट्रिप का प्लान बना सकते हैं. कल आप अपने जीवनसाथी के साथ समय बिता सकते है, इससे आपके रिश्ते और बेहतर होंगे. दोस्तों के साथ मूवी देखने का प्लानिंग कल बन सकता हैं.

कुंभ राशि: आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा. किस्मत का पूरा-पूरा सहयोग कल आपको मिलेगा. कारोबारियों को लाभ होगा. छात्रों के लिए कल का दिन बढ़िया है. दांपत्य जीवन शानदार रहने वाला है.

मीन राशि: आपका दिन ठीक रहेगा. आपके मन में किसी बात को लेकर उत्साह रह सकता है.कार्यक्षेत्र में अचानक काम का दबाव बढ़ सकता है. काम पूरा करने के लिए शायद आपको पर्याप्त समय न मिल पाये. परेशान होने के बजाय धैर्य बनाये रखना चाहिए.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मजाक बना अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, डब्ल्यूटीओ जैसी संस्थाएं प्रासंगिकता खो रही

संयुक्त राष्ट्र विश्व बैंक आइएमएफ और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए कई बार आवाज उठाई गई है क्योंकि बदलते परिवेश में ये अपनी प्रासंगिकता खोते जा रहे हैं। विश्व बैंक आइएमएफ और डब्ल्यूटीओ का अपने उद्देश्यों के प्रति वास्तविक समर्पण लंबे समय से संदिग्ध ही रहा है।

भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य टकराव के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड ने पाकिस्तान को 1.4 अरब डालर का नया लोन भारत के कड़े विरोध के बावजूद दे दिया। इसके साथ ही उसने एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) के तहत मिल रहे करीब 60 हजार करोड़ रुपये की मदद की पहली समीक्षा को भी मंजूरी दी। इससे पाकिस्तान को अगली किस्त के करीब 8,542 करोड़ रुपये मिलेंगे। आइएमएफ बोर्ड बैठक में भारत ने पाकिस्तान को दी जा रही राशि पर चिंता जताते हुए कहा था कि इस फंड का दुरुपयोग वह आतंकवादी उद्देश्यों के लिए कर सकता है। भारत से सैन्य टकराव के बीच आइएमएफ का यह निर्णय फंडिंग एजेंसियों और दानदाताओं की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है और वैश्विक मूल्यों का मजाक उड़ाता है। यह आइएमएफ के उस निर्णय के भी ठीक विपरीत है, जिसमें फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद आइएमएफ ने उसके साथ अपने वार्षिक परामर्श को रोक दिया था। खेद की बात है कि इस बार वह इतना भी नहीं कर सका। संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक, आइएमएफ और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए कई बार आवाज उठाई गई है, क्योंकि बदलते परिवेश में ये अपनी प्रासंगिकता खोते जा रहे हैं। विश्व बैंक, आइएमएफ और डब्ल्यूटीओ का अपने उद्देश्यों के प्रति वास्तविक समर्पण लंबे समय से संदिग्ध ही रहा है। रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्धों के साथ-साथ बढ़ती वैश्विक समस्याओं के कारण संयुक्त राष्ट्र जैसा संगठन भी अपने उद्देश्यों में नाकाम रहा है। दुनिया में यह भावना बढ़ रही है कि एक संगठन के रूप में संयुक्त राष्ट्र लगातार अप्रभावी होता जा रहा है। आइएमएफ की स्थापना 1944 में ब्रेटनवुड्स सम्मेलन में नेक इरादों के साथ गई थी। आज इसके सदस्य देशों की संख्या 191 है। पिछले कुछ वर्षों में आइएमएफ अपनी भूमिका से न्याय नहीं कर पाया है। आइएमएफ 2008 के वित्तीय संकट की निगरानी और उसका आकलन करने में भी पूरी तरह विफल रहा था, जबकि लेहमैन ब्रदर्स के पतन से कुछ दिन पहले ही ऐसी आशंका बढ़ चुकी थी। आइएमएफ ने शायद ही कभी किसी भी संकट से निपटने की वैश्विक अर्थव्यवस्था की क्षमता के बारे में आशावादी रुख दिखाया हो। पाकिस्तान 35 वर्षों में 28 बार आइएमएफ से मदद ले चुका है। अगर पहले दिए गए कर्ज का पाकिस्तान ने सही उपयोग किया होता, तो उसे बार-बार मदद की जरूरत नहीं पड़ती। इसलिए अब फिर नया लोन दिया जाना आइएमएफ की मंशा के साथ-साथ उसकी निगरानी पर भी सवाल खड़े करता है। निश्चय ही नए कर्ज के दुरुपयोग का खतरा अधिक है। आइएमएफ के बड़े कर्जदार देशों में पाकिस्तान चौथे नंबर पर है, जिससे उसने 8.3 अरब डालर का कर्ज ले रखा है। संयुक्त राष्ट्र की 2021 की रिपोर्ट स्पष्ट संकेत करती है कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बावजूद वहां के कामकाज में सेना का पूरा हस्तक्षेप रहता है। सेना वहां की अन्य अनेक नीतियों के साथ आर्थिक नीतियों को भी प्रभावित करती है। यदि पाकिस्तान ने आइएमएफ की मदद का विकास कार्यों में उपयोग किया होता, तो पाकिस्तान मानव विकास सूचकांक में 193 देशों में 168वें स्थान पर नहीं होता। इस वक्त पाकिस्तान का हर बच्चा अपने सिर पर करीब 85 हजार रुपये का कर्ज लेकर पैदा होता है। पाकिस्तान में वेतन और सब्सिडी जैसे खर्च से लेकर तेल और गैस का आयात बिल तक सब कुछ कर्ज पर चल रहा है। पाकिस्तान का सार्वजनिक ऋण उसकी जीडीपी का 69.4 प्रतिशत हो गया है। आइएमएफ का उद्देश्य विश्व की सभी मुद्राओं को स्थिर रखने और मुक्त व्यापार की सुविधा देना था, परंतु दुर्भाग्य से पिछले कई वर्षों से आइएमएफ इन उद्देश्यों को पूरा नहीं कर पा रहा है। उसके पास गलत परियोजनाओं के लिए जवाबदेही का भी अभाव है। कर्ज में डूबे देशों द्वारा डिफाल्ट को रोकने के लिए नए ऋण देने की आइएमएफ की नियमित प्रथा एक नैतिक जोखिम पैदा करती है। इसीलिए भी आइएमएफ की प्रणाली पर कड़ी निगाह रखने के साथ उसमें आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। विश्व बैंक और आइएमएफ को आंतरिक न्याय, जवाबदेही और निगरानी कार्यों का पुनर्गठन भी करना चाहिए। बोर्ड की बैठकों और वोटिंग में अधिक पारदर्शिता लाना भी जरूरी है। वैश्वीकरण और संघर्ष समाधान के नए तरीकों से जूझ रहे विश्व में इन संगठनों की भूमिका पर लगातार प्रश्न उठ रहा है। ज्यादातर संगठन अपने उद्देश्यों में असफल साबित हो रहे हैं। यदि उन्हें समाप्त नहीं किया जा सकता तो उनमें व्यापक सुधार तो जरूर किया जाना चाहिए। आइएमएफ को फंड देने के तरीकों में सुधार शुरू करने का यही सही समय है। इसके साथ ही बेलआउट कार्यक्रमों की प्रभावशीलता की भी समीक्षा करनी होगी। 2023 में भारत की अध्यक्षता में हुई जी 20 बैठक के दौरान आइएमएफ सहित अन्य बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार पर बात हुई थी। दुनिया को सोचना होगा कि संयुक्त राष्ट्र, आइएमएफ, विश्व बैंक आदि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में निवेश की गई वित्तीय और बौद्धिक पूंजी का विश्व भर के लोकतंत्र में कैसे बेहतर उपयोग हो। आज दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों को इनके पारदर्शी कार्यों की पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है।

अनियंत्रित सोशल मीडिया पर अंकुश की आवश्यकता

(संदीप सृजन)

पहलगाव हमले के बाद, ऑपरेशन सिंदूर और सीजफायर घोषित होने के दौरान जो शब्दों के, तस्वीरों के और वीडियो रील्स के हमले सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर चल रहे हैं,उनको देख कर कई बार लगता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे युद्ध को सोशल मीडिया पर चल रहे वैचारिक युद्ध ने और अधिक तनाव वाली स्थिति में ला दिया और अधिक जटिल व खतरनाक बना दिया है। सोशल मीडिया, जो एक ओर सूचना और विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है, वहीं दूसरी ओर यह अनियंत्रित होने पर गलत सूचना, नफरत और हिंसा को बढ़ावा देने का जरिया बन रहा है। भारत-पाक तनाव के दौरान, सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग न केवल दोनों देशों के बीच तनाव को बढ़ा रहा है, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यक्तिगत जीवन पर भी गंभीर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। सोशल मीडिया ने पिछले दो दशकों में भारतीय समाज सहित पूरे विश्व को पूरी तरह से बदल दिया है। फेसबुक, ट्विटर (अब), इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने लोगों को एक-दूसरे से जोड़ा है और सूचनाओं को तुरंत साझा करने की सुविधा प्रदान की है। भारत में, जहां इंटरनेट की पहुंच ग्रामीण क्षेत्रों तक फैल चुकी है, सोशल मीडिया उपयोगकताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। 2025 तक, भारत में लगभग 900 मिलियन से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से अधिकांश सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण कश्मीर विवाद, आतंकवाद, और सीमा पर गोलीबारी, इन मुद्दों पर दोनों देशों की सरकारें और नागरिक अपने-अपने दृष्टिकोण रखते हैं। सोशल मीडिया ने इन दृष्टिकोणों को व्यक्त करने का एक खुला मंच प्रदान किया है, लेकिन यह मंच अकसर अनियंत्रित और गैर- जिम्मेदाराना तरीके से उपयोग किया जाता है।

तनाव के दौरान, सोशल मीडिया पर गलत सूचनाएं तेजी से फैलती हैं। पहलगाम हमले के बाद से दोनों देशों में सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो, तस्वीरें और खबरें वायरल हुईं, जिनमें से कई का उद्देश्य लोगों को भड़काना था। ऐसी सामग्री न केवल दोनों देशों के बीच तनाव को बढ़ाती है, बल्कि आम लोगों में डर और अविश्वास का माहौल भी पैदा करती है।सोशल मीडिया पर कुछ उपयोगकर्ता एक-दूसरे के खिलाफ नफरत भरे भाषण और अपमानजनक टिप्पणियां करते हैं। यह न केवल सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि दोनों देशों के बीच शत्रुता को और बढ़ाता है। कुछ लोग सोशल मीडिया का उपयोग प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए करते हैं। कुछ समूह और संगठन सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री साझा करते हैं जो उनके अपने एजेंडे को बढ़ावा देती है। इसके अलावा, साइबर युद्ध के रूप में हैकिंग, फर्जी अकाउंट्स और ट्रोलिंग भी आम हो गया है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री कभी-कभी वास्तविक हिंसा को जन्म देती है। भारत में, कुछ मामलों में सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों के कारण सांप्रदायिक दंगे हुए हैं।सोशल मीडिया पर फैली गलत सूचनाओं ने हिंसक प्रदर्शनों को हवा दी है।भारत बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक समाज हैं। सोशल मीडिया पर फैलने वाली नफरत भरी सामग्री इन समाजों में सांप्रदायिक और धार्मिक तनाव को बढ़ा रही है। भारत में समुदाय विशेष के खिलाफ नफरत भरे भाषणों का बढ़ना चिंता का विषय बन गया है। कई बार गलत सूचनाएं और प्रोपेगेंडा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर देते हैं। सीमा पर तनाव के दौरान फैलाई गई फर्जी खबरें सैन्य रणनीतियों को प्रभावित कर सकती हैं या जनता में घबराहट पैदा कर रही हैं। सोशल मीडिया पर लगातार नकारात्मक और भड़काऊ सामग्री का सामना करने से लोगों में तनाव, चिंता और अवसाद बढ़ रहा है। विशेष रूप से युवा, जो सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताते हैं, इस तरह की सामग्री से आसानी से प्रभावित हो रहे हैं।अनियंत्रित सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए । इनमें सरकारी नीतियां, तकनीकी समाधान और सामाजिक जागरूकता शामिल हैं। सोशल मीडिया पर गलत सूचना और नफरत भरे भाषण को नियंत्रित करने के लिए कठोर कानून लागू करने की आवश्यकता है। भारत में पहले से ही सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत कुछ प्रावधान हैं, लेकिन इनको और प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत है। साथ ही, सोशल मीडिया कंपनियों को जवाबदेह बनाना जरूरी है। फेसबुक, ट्विटर, और अन्य प्लेटफॉर्म्स को अपनी सामग्री निगरानी प्रणाली को मजबूत करना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानव मॉडरेटर के संयोजन से भड़काऊ सामग्री को तुरंत हटाया जा सकता है। इसके अलावा, इन कंपनियों को स्थानीय भाषाओं में सामग्री की निगरानी के लिए अधिक संसाधन आवंटित करने चाहिए। डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना जरूरी है। लोगों को गलत सूचनाओं को पहचानने और सत्यापित करने की शिक्षा दी जानी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।सरकारी, गैर-सरकारी संगठनों और मीडिया को मिलकर सामाजिक जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। इन अभियानों का उद्देश्य लोगों को सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग के बारे में शिक्षित करना और नफरत भरे भाषण से बचने के लिए प्रेरित करना होना चाहिए।सरकार, सोशल मीडिया कंपनियों, और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। साथ ही अनियंत्रित सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए कठोर नियम, तकनीकी समाधान, और सामाजिक जागरूकता जरूरी है। केवल एक जिम्मेदार और सकारात्मक दृष्टिकोण ही इस डिजिटल युग में तनाव को कम करने और सामाजिक सौहार्द को बढ़ाने में मदद कर सकता है।

भारतीय समाज की विविधिता भी देश की ताकत और शक्ति

संजीव ठाकुर

आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं।ह्न देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है।

मराठी नहीं आती तो पैसे भी नहीं मिलेंगे...मुंबई में पिज्जा डिलीवरी बॉय और कस्टमर का वीडियो वायरल

जैसे ही लावेरे ने जोड़े को समझाने की कोशिश की, उन्होंने पूछा कि जबरदस्ती है मराठी बोलने का, पर क्यों? (क्या मराठी में बोलने की बाध्यता है? लेकिन क्यों?) इस पर महिला ने जवाब दिया, है यहां पे ऐसे ही। लावारे ने फिर सवाल करते हुए कहा कि यह किसने कहा?

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई में डोमिनोज पिज्जा डिलीवरी करने वाले एक व्यक्ति को एक जोड़े ने परेशान किया और ऑर्डर का भुगतान करने से इनकार कर दिया क्योंकि वह मराठी नहीं बोलता था। यह घटना सोमवार रात 12 मई को भांडुप इलाके में एक रिहायशी इमारत में हुई और इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद ऑनलाइन लोगों में आक्रोश फैल गया। डिलीवरी एजेंट, जिसकी पहचान रोहित लावरे के रूप में हुई, ने अपने फोन पर इस बहस को रिकॉर्ड किया। वीडियो में ग्राहक को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वे लावरे को तभी भुगतान करेंगे जब वह मराठी बोलेंगे।जैसे ही लावेरे ने जोड़े को समझाने की कोशिश की, उन्होंने पूछा कि जबरदस्ती है मराठी बोलने का, पर क्यों? (क्या मराठी में बोलने की बाध्यता है? लेकिन क्यों?) इस पर महिला ने जवाब दिया, है यहां पे ऐसे ही।लावारे ने फिर सवाल करते हुए कहा कि यह किसने कहा? अगर ऐसा था, तो आपको ऑर्डर नहीं करना चाहिए था। आप पैसे नहीं देना चाहते, है न?ठीक है। (नहीं आता तो फिर ऑर्डर नहीं करने का ना। नहीं देना है ना पैसा, हां ठीक है, ठीक है) बातचीत में एक बार महिला ने रिकॉर्ड किए जाने पर आपत्ति जताई और कहा कि मेरा वीडियो नहीं निकालने का, मैं तुम्हारा वीडियो निकाल सकती हूं। लावारे ने जवाब दिया, ये कौन सी जबरदस्ती है।जैसे-जैसे मामला बढ़ता गया

मीरा रोड अब नहीं दूर...फडणवीस ने मेट्रो 9 के ट्रायल रन का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई मेट्रो रूट-9, फेस-1, काशीगांव से दहिसर (पूर्व)" मेट्रो के तकनीकी परीक्षण (ट्रायल रन) का शुभारंभ किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, मंत्री प्रताप सरनाईक मौजूद रहे। सीएम फडणवीस ने मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण के काशीगांव से दहिसर (पूर्व) तक मुंबई मेट्रो रूट-9 के फैज-1 के ट्रायल रन को हरी झंडी दिखाई।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को एक लंबा इंतजार खत्म कर दिया। फडणवीस ने राज्य के दोनों डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और अजित दादा पवार की मौजदूगी में मेट्रो 9 के पहले चरण के ट्रायल रन की शुरूआत की। फडणवीस ने मेट्रो में सवार हुए। इस मौके पर सीएम फडणवीस ने कहा कि मेट्रो मार्ग-9, चरण-1, काशीगांव से दहीसर (पूर्व) तक के मेट्रो का तांत्रिक परिक्षण (ट्रायल रन) का शुभारंभ आज होना खुशी की बात है। इसके सफल परिक्षण के बाद बहुत जल्दी ही यह सुविधा आम लोगों के लिए खुली हो जायेगी। इस मेट्रो की कनेक्टीविटी से मुंबई एवं ठाणे तक की नियमित यात्रा करने वाले लोगों को एक सीमलेस कनेक्टीविटी का लाभ मिलेगा। ट्रायल रन अभी चार स्टेशन के बीच होगा।

मीरा भायंदर का सफर आसान

इस मौके पर फडणवीस ने कहा कि कि मेट्रो मार्ग से मीरा भयंदर और मुंबई से आने वाले यात्रियों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य निर्बाध कनेक्टिविटी हासिल करना है। उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए फडणवीस ने कहा कि मुंबई मेट्रो 9 का परीक्षण चरण आज पूरा हो रहा है। इस मेट्रो 9 से मीरा भयंदर और मुंबई से आने वालों को बहुत लाभ होगा। यह चरण काशीगांव से दहिसर तक है। इस रेड लाइन 9 में आठ स्टेशन शामिल हैं। इनमें दहिसर, पांडुरंग वाडी, मीरागांव, काशीगांव, साईं बाबा नगर, मेदितिया नगर, शहीद भगत सिंह गार्डन और सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम शामिल हैं। पहले चरण में केवल काशीगांव तक के पहले चार स्टेशन खुलेंगे।

अगले कुछ महीने में गुड न्यूज

एमएमआरडीए ने 2025 के अंत तक मेट्रो के इस मार्ग पर सेवा शुरू करने की योजना बनाई है। मेट्रो-9 कॉरिडोर को मेट्रो-7 ए से भी कनेक्ट किया गया है। मुंबई मेट्रो-9 कॉरिडोर के पूरे रूट का सिविल वर्क 85% से अधिक पूरा हो गया है। इस रूट पर कुल 8 स्टेशन है। चार स्टेशन ट्रायल के लिए तैयार है, जबकि आगामी कुछ सप्ताह में मेट्रो के बचे हुए अन्य चार स्टेशन भी ट्रायल रन के लिए तैयार होंगे। मुंबई मेट्रो रेड लाइन 9 ठाणे जिले की पहली मेट्रो रेल है जो मीरा रोड तक चलेगी। यह मेट्रो लाइन अंधेरी-दहिसर से मीरा-भयंदर तक रेड लाइन 7 का विस्तार है।

फास्ट ट्रैक

मुंबई पुलिस के सीनियर इंस्पेक्टर बाबूराव देशमुख 1 लाख घूस लेते गिरफ्तार

महाराष्ट्र एंटी करप्शन ब्यूरो ने मुंबई में बड़ी कार्रवाई की है। शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बाबूराव मधुकर देशमुख को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। देशमुख ने एक शैक्षणिक ट्रस्ट के ट्रस्टी से रिश्वत मांगी थी। शिकायत मिलने पर एसीबी ने जाल बिछाकर देशमुख को रंगे हाथ पकड़ा।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के मुताबिक, बाबूराव मधुकर देशमुख (उम्र 57) को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया है। वह मुंबई के शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के तौर पर तैनात थे।एसीबी के अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता एक शैक्षणिक ट्रस्ट का ट्रस्टी है।15 अगस्त, 2024 को कुछ व्यक्तियों के समूह ने कथित तौर पर स्कूल का गेट तोड़ दिया। इसके बाद वे ट्रस्ट परिसर में जबरन घुस गए थे। ट्रस्टी ने मुंबई के शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन और चैरिटी कमिश्नर में शिकायत दर्ज कराई थी।ट्रस्ट की ओर से हुई थी शिकायतइस मामले में शिकायतकर्ता की सहायता करने और चैरिटी कमिश्नर कार्यालय से अंतिम आदेश आने तक जबरदस्ती स्कूल परिसर में प्रवेश करने से रोकने के लिए देशमुख ने कथित तौर पर 3 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।ढाई लाख पर हुई थी बातएसीबी के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बाबूराव देशमुख ने कथित तौर पर ट्रस्टी से 3 लाख रुपए की रिश्वत मांगी और बातचीत के बाद 2.5 लाख रुपए राशि तय हुई थी। देशमुख को 1 लाख रुपए की पहली किस्त लेते हुए पकड़ा गया। एसीबी की टीम ने उन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाया था और बाद में उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शरद पवार-अजित दादा पर संजय शिरसाट का बड़ा बयान, कहा- भविष्य में एक हो सकते हैं चाचा-भतीजा

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट ने दावा किया है कि शरद पवार का राजनीति में करियर कुछऐसा रहा है कि कई बार पार्टी बनाई और कई बार पार्टी विलीन की है। पार्टी को जोड़ना और तोड़ना शरद पवार की नीति रही है। संजय शिरसाट ने कहा कि यह तो चाचा-भतीजा की बात है। यह कब एक हो जाएं, कुछ कह नहीं सकते हैं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र की राजनीति में आने वाले दिनों में बड़ा उलटफेर होने की संभावना है। शरद पवार और अजित पवार के साथ आने की संभावनाएं तेज हो गई हैं। इस पर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट ने दावा किया है कि शरद पवार का राजनीति में करियर कुछऐसा रहा है कि कई बार पार्टी बनाई और कई बार पार्टी विलीन की है। पार्टी को जोड़ना और तोड़ना शरद पवार की नीति रही है। संजय शिरसाट ने कहा कि यह तो चाचा-भतीजा की बात है। यह कब एक हो जाएं, कुछ कह नहीं सकते हैं। इसीलिए, इनके मिलने से सबसे ज्यादा दुख यूबीटी को होगा। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। भविष्य में इनके साथ आने के संकेत मिल रहे हैं।

बीएसएफ जवान की वापसी पर क्या बोले?

पाकिस्तान से बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ की वापसी पर संजय शिरसाट ने कहा कि जो लोग सवाल कर रहे थे कि भारत या हमारे सशस्त्र बलों ने क्या किया है। यह जवाब उनके लिए है। भारत ने न केवल (दुश्मन क्षेत्र में) अंदर हमला किया है, बल्कि पाकिस्तान ने भी आत्मसमर्पण कर दिया है और वह अपने घुटनों पर आ गया है। यह इस तथ्य से साबित होता है कि उन्होंने हमारे सैनिक को वापस कर दिया है, जिसे उन्होंने पकड़ लिया था।

'तिरंगा यात्रा' पर विपक्ष के सवालों पर पलटवार

'तिरंगा यात्रा' पर विपक्ष के सवालों पर संजय शिरसाट ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पहले ही सबकुछ स्पष्ट कर चुके हैं। अब जो यात्रा हो रही है, वह सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए है। यह किसी पार्टी के प्रतीक के लिए नहीं है। अगर 'तिरंगा यात्रा' होगी, तो इससे देश के सैनिकों में जोश भर जाता है। हर युद्ध में ऐसी बात होती है। सैनिकों का हौसला बढ़ाना होता है। 'तिरंगा यात्रा' पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

मातृभूमि से गद्दारी और अपनी.. मां के जनाजे के लिए बेल मांगने वाले आतंकी मुस्तफा की याचिका मुंबई कोर्ट से खारिज

2006 के औरंगाबाद हथियार बरामदगी मामले में आरोपी मुस्तफा बादेमिया की जमानत याचिका स्पेशल कोर्ट ने खारिज कर दी। आरोपी ने अपनी मां की मृत्यु के बाद धार्मिक कार्यों में शामिल होने के लिए जमानत मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने देश की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए याचिका अस्वीकार कर दी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : 2006 के औरंगाबाद हथियार बरामदगी मामले के एक आरोपी की जमानत याचिका खारिज हो गई है। आरोपी अपनी मां की मृत्यु के बाद होने वाले धार्मिक कार्यों में शामिल होना चाहता था। स्पेशल कोर्ट ने कहा कि अगर आरोपी अपनी मां की मौत पर दुखी है, तो उसे 'मदरे वतन' (मातृभूमि) के लिए भी उतना ही दुखी होना चाहिए। जज ने कहा कि इस मामले में बहुत सारे हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद हुए थे। हर किसी के लिए देश की सुरक्षा सबसे जरूरी होनी चाहिए। जज ने कहा कि इस मामले के हालात को देखते हुए आरोपी को अस्थायी जमानत भी नहीं दी जा सकती।मुस्तफा उर्फ सैयद बादेमिया महमूदमिया (55) की याचिका को जज ने खारिज कर दिया। जज ने यह भी कहा कि मामले में जो हथियार और गोला-बारूद मिले थे, वे बहुत डरावने थे। जज ने कहा कि इतने सारे हथियार और गोला-बारूद कोई आम आदमी नहीं रखता है।मिला था भारी विस्फोटक सामानअभियोजन पक्ष ने कहा कि 43 किलो आरडीएक्स, 10 एके-47 राइफल, 3,200 जिंदा कारतूस और 50 हथगोले पाकिस्तान से लाए गए थे। इनका इस्तेमाल गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी और विश्व हिंदू परिषद के नेता प्रवीण तोगड़िया पर हमले करने के लिए किया जाना था। यह 2002 के गुजरात दंगों का बदला लेने के लिए किया जा रहा था। आरोप है कि आरोपी ने जिहाद करके आतंक फैलाना चाहा था। राज्य एटीएस ने औरंगाबाद के पास एक हाईवे पर पीछा करके हथियारों और गोला-बारूद को पकड़ा था। उन्हें इस बारे में पहले से जानकारी मिल गई थी।

आरोपी के तर्क को कोर्ट ने किया खारिज

जज ने कहा कि आरोपी का यह तर्क कुछ हद तक सही है कि हथियार और गोला-बारूद उससे नहीं मिले थे। जज ने कहा कि कोई भी इतना बेवकूफ नहीं होगा कि वह सारे हथियार और गोला-बारूद अपने पास रखे। आरोप है कि इस आरोपी ने हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों को लाने, ले जाने, रखने और छिपाने में मदद की थी। जज ने कहा कि वह इस मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ किए गए गंभीर अपराधों में शामिल है।

18 साल से जेल में आरोपी

जज ने यह भी कहा कि 2007 में गिरफ्तार होने से पहले, आरोपी बार-बार अपना पता बदलता रहा।

अनाधिकृत झोपड़ों पर मनपा ने चलाया हथौड़ा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , मनपा के अतिक्रमण विभाग ने अनधिकृत निर्माण के खिलाफ निष्कासन की कार्रवाई करते हुए अनाधिकृत झोपड़ों को हटा दिया है। इसके पहले संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी किया है। मनपा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे एवं अपर आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे एवं उपायुक्त (अतिक्रमण) भगवत दोईफोड़े के मार्गदर्शन में अतिक्रमण विभाग ने बेलापुर प्रभाग में अनधिकृत झुग्गियों के खिलाफ बेदखली अभियान चलाया।बेलापुर विभाग के नेरुल नवी सेक्टर-28 स्थित विठ्ठल रुक्मिणी मंदिर के पास सिडको की भूमि पर बनी अनधिकृत झोपड़ियों को स्वतः हटाने की आवश्यकता थी। यह कार्रवाई मनपा कार्यालय, बेलापुर के माध्यम से की गई क्योंकि झुग्गी बस्ती को स्वयं नहीं हटाया गया था। सहायक आयुक्त एवं विभागीय अधिकारी, बेलापुर विभाग, डॉ. अमोल पालवे, जूनियर इंजीनियर आत्माराम काले, ए विभाग कार्यालय अंतर्गत बेलापुर विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, जेसीबी-01, लेबर-15, साथ ही अतिक्रमण की पुलिस की सुरक्षा कार्रवाई की है। भविष्य में कार्रवाई तेज की जाएगी।

पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी श्री सचिन शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में आयरनमैन चैलेंज जीता

श्री शर्मा इस चुनौती को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले भारतीय रेल पर पहले अधिकारी बन गए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के सचिव श्री सचिन अशोक शर्मा (IRTS 2008) ने पोर्ट मैक्वेरी, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित दुनिया की सबसे कठिन स्पधाओं में से एक - आयरनमैन ट्रायथलॉन - को सफलतापूर्वक पूरा किया। आयरनमैन शारीरिक और मानसिक धीरज की अंतिम परीक्षा है, जिसमें 3.8 किमी पानी में तैराकी, 180 किमी साइकिल चलाना और 42.2 किमी की पूर्ण मैराथन दौड़ शामिल है, जिसे 17 घंटे के भीतर पूरा किया जाना था।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्री शर्मा ने आयरनमैन ट्रायथलॉन को 12 घंटे, 26 मिनट और 52 सेकेंड में सफलतापूर्वक पूरा किया और इस चुनौती को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले वे पहले भारतीय रेलवे अधिकारी बन गए। भारी बारिश और सुरक्षा चिंताओं के कारण नाटकीय घटनाक्रम में आयोजकों को ट्रायथलॉन के तैराकी चरण को रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा। नतीजतन, दौड़ सुबह 9:45 बजे 180 किलोमीटर के बाइक सेगमेंट के साथ शुरू हुई, जिसमें एथलीटों को प्रशांत महासागर के किनारे जंगल में से गुजरते हुए एक आश्चर्यजनक लेकिन चुनौतीपूर्ण मार्ग से गुजरना पड़ा। 1,800 मीटर की ऊँचाई के साथ, इस कोर्स को आयरनमैन सर्किट पर सबसे सुंदर और चुनौतीपूर्ण माना जाता है।कोर्स के सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सों में से एक मैथ्यू फ्लिंडर्स ड्राइव था - जिसमें 17% की ढलान थी, जिसके कारण कई प्रतिभागियों को साइकिल से उतरकर ऊपर की ओर साइकिल को धक्का देना पड़ता है। हालाँकि, श्री शर्मा ने दृढ़ संकल्प और धैर्य के साथ इस भीषण चढ़ाई को पार किया और साइकिलिंग लेग को असाधारण प्रदर्शन के साथ पूरा किया।बाइक कोर्स के बाद श्री शर्मा 42.2 किमी की मैराथन दौड़ में शामिल हुए, जो हेस्टिंग्स नदी के तट पर पोर्ट मैक्वेरी के आकर्षक शहर से होकर गुजरी। जयकारे लगाने वाली भीड़ और उत्साही स्थानीय समर्थन के बीच श्री शर्मा ने फिनिश लाइन पार की। जैसे ही उन्होंने दौड़ पूरी की, आधिकारिक उद्घोषक ने घोषणा की, ₹सचिन, आप एक आयरनमैन हैं₹ और उन्हें प्रतिष्ठित आयरनमैन फि निशर का पदक प्रदान किया। खिताब अर्जित करने के बावजूद श्री शर्मा ने आयरनमैन विरासत की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए इसे महसूस किया। अटूट अनुशासन के साथ छह महीने से अधिक समय तक कठोर प्रशिक्षण लेने के बाद उनका मानना था कि तैराकी घटक के बिना यह अनुभव अधूरा रहेगा। असाधारण प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने जिलॉन्ग में दक्षिणी प्रशांत महासागर के ठंडे पानी में 3.8 किमी की खुले पानी की तैराकी अकेले पूरी की, जिससे प्रतीकात्मक रूप से पूर्ण आयरनमैन दूरी पूरी हुई और खिताब की अखंडता का सम्मान हुआ।इससे पहले श्री शर्मा ने 2022 में 42 किलोमीटर की लद्दाख फुल मैराथन, 2023 में 72 किलोमीटर की खारदुंग ला चैलेंज और 42 किलोमीटर की लद्दाख फुल मैराथन, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित कॉमरेड्स मैराथन (86 किलोमीटर) और इस साल लद्दाख में आयोजित सिल्क रूट अल्ट्रा मैराथन के अलावा देश भर में कई अन्य अल्ट्रा और अन्य मैराथन और ट्रायथलॉन में भी भाग लिया है। श्री शर्मा की यात्रा दृढ़ता, आत्म-अनुशासन और उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रमाण है - जो चैलेन्ज खेलों की दुनिया में अन्य अनगिनत लोगों को प्रेरित करती है। खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता माननीय प्रधानमंत्री की फिट इंडिया मूवमेंट पहल के अनुरूप है, जो दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधियों और खेलों को शामिल करके स्वास्थ्य और फिटनेस पर केंद्रित है। पश्चिम रेलवे श्री शर्मा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई देती है और आगामी दौड़ के लिए उनकी सफलता की कामना करती है।

वीर सैनिकों के सम्मान में जगमगाए देश भर के रेलवे स्टेशन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अदम्य शौर्य और पराक्रम के सम्मान में देश भर के रेलवे स्टेशन जगमगा उठे। भारतीय रेल ने वीर सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह अनूठा आयोजन किया। इस मौके पर कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक के रेलवे स्टेशनों पर राष्ट्रभक्ति का अलग जोश देखने को मिला। इस दौरान तिरंगे की रोशनी में नहाए रेलवे परिसर देशभक्ति के गीतों से गूंज उठे। वहीं स्टेशनों पर लगी स्क्रीनों पर राष्ट्रभक्ति से जुड़े विजुअल्स ने यात्रियों को राष्ट्र प्रेम की भावनाओं से भर दिया। इस ऑपरेशन की सफलता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय रेल ने देश के विभिन्न हिस्सों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया, जिसने देशवासियों के मन मस्तिष्क में राष्ट्रप्रेम और सेना के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया। इसके अलावा भारतीय रेल ने तिरंगा यात्रा के साथ तमाम स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के जरिए भी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को जनमानस तक पहुंचाया। भारतीय रेल की इस पहल ने ना केवल सेना के रणबांकुरों का अभिनंदन किया, बल्कि आम जनता को भी ऑपरेशन सिंदूर की गौरव गाथा से जोड़ा। यह आयोजन दर्शाता है कि देश का प्रत्येक नागरिक अपने वीर सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद न्याय की अखंड प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की वह गौरव गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

ग्राम समाज की जमीन पर चला बुलडोजर

ग्राम प्रधान का ढहाया मकान, कार्रवाई के दौरान पुलिस बल तैनात

बागपत, बागपत के खट्टा प्रहलादपुर गांव में ग्राम समाज की भूमि पर चल रहे विवाद का बुधवार को समाधान हुआ। तहसील प्रशासन की टीम ने ग्राम प्रधान क्षमा देवी के मकान पर बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया। गांव के खसरा संख्या 2399 पर स्थित ग्राम समाज की जमीन पर ग्राम प्रधान समेत 12 लोगों ने अवैध कब्जा कर मकान बना लिए थे।

महाराष्ट्रः स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी में जुटी बीजेपी, 58 अध्यक्षों का ऐलान, 20 बाकी

पार्टी ने कुल 78 में से 58 के नाम का ऐलान किया

मुंबई के छह जिलों में तीन अध्यक्षों का हुआ ऐलान

बीजेपी के 20 नए जिला अध्यक्षों का निर्णय नहीं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः स्थानीय निकायों की चुनाव की तैयारी में बीजेपी पूरी तरह से लग गई है। मंगलवार को बीजेपी ने राज्य की कुल 78 जिला अध्यक्षों में से 58 जिला अध्यक्षों के नाम का ऐलान कर दिया जबकि 20 जिला अध्यक्षों के बाबत निर्णय नहीं ले सकी है। जिन 58 जिला अध्यक्षों के नाम की घोषणा की गई इसमें 19 जिला अध्यक्षों को फिर से अवसर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महाराष्ट्र के अब अगले कुछ महीनों में निकाय चुनाव होने की उम्मीद जगी है। इसमें मुंबई के बहुप्रतीक्षित बीएमसी चुनाव भी शामिल हैं।मुंबई के छह जिला अध्यक्षों में से तीन के नाम का ऐलान कर दिया गया है जिसमें उत्तर मुंबई से दीपक तावडे और उत्तर मध्य से विरेंद्र म्हात्रे का नाम घोषित किया जबकि उत्तर पूर्व मुंबई से दीपक दलवी को फिर से अवसर दिया है। दक्षिण मुंबई, दक्षिण मध्य मुंबई और उत्तर पश्चिम मुंबई के जिले से नए जिला अध्यक्ष का इंतजार है। कोंकण विभाग में कुल 14 जिला अध्यक्ष हैं जिसमें 12 के नाम घोषित कर दिए। इसमें 5 लोगों को फिर से मौका दिया है जबकि 2 जिला अध्यक्षों के बाबत पार्टी ने निर्णय नहीं लिया है। मीरा भायंदर जिले से दिलीप जैन, नवी मुंबई जिले का अध्यक्ष राजेश पाटील, कल्याण से नंदु परब, उल्हासनगर से राजेश वधारिया, भिवंडी से रविकांत सावंत, ठाणे ग्रामीण से जितेंद्र डाकी, ठाणे शहर से संदीप लेले, रायगढ़ दक्षिण से धैर्यशील माने, रायगढ़ उत्तर जिले से अविनाश कोली को जिला अध्यक्ष बनाया है।

नासिक में विवाद बना रोड़ा

पश्चिम महाराष्ट्र में कुल 13 जिले हैं जिसमें 11 की घोषणा कर दी है। इन 11 में 4 जिला अध्यक्षों को फिर से मौका दिया है। दो जिला अध्यक्षों का इंतजार है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के अपने विभाग विदर्भ की 19 जिला अध्यक्षों में से 15 के नाम घोषित कर दिए हैं। इसमें दो को फिर से अवसर दिया है। विदर्भ के नागपुर महानगर जिले पार्टी ने दयाशंकर तिवारी को जिला अध्यक्ष बनाया है। उत्तर महाराष्ट्र में कुल 12 जिले हैं जिसमें 9 की घोषणा की। नाशिक जिले में विवाद के चलते किसी भी जिले से अध्यक्ष की घोषणा नहीं गई है। उत्तर महाराष्ट्र के 4 जिला अध्यक्षों को फिर से मौका दिया गया है। मराठवाड़ा के 15 जिले हैं जिसमें 8 जिला अध्यक्षों के नाम घोषित कर दिए गए। तीन को फिर से अवसर दिया। वहां से अभी 7 जिला अध्यक्षों के नाम का इंतजार किया जा रहा है।

मुंबई से उत्तर भारतीय का इंतजार

मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन की ज्यादातर जिले में बीजेपी ने जिला अध्यक्षों की नियुक्ति का ऐलान कर दिया है। इसमें किसी उत्तर भारतीय को जिला अध्यक्ष नहीं बनाया है। इसे लेकर बीजेपी में सुगबुगाहट शुरू हो गई है। बीजेपी के एक उत्तर भारतीय नेता का कहना है कि अगर किसी उत्तर भारतीय को जिला अध्यक्ष नहीं बनाया तो उत्तर भारतीय समाज में बहुत गलत संदेश जाएगा और उसकी कीमत पार्टी को महानगरपालिका के चुनाव में चुकानी पड़ सकती है।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न आइटमों का अनुरक्षण

वरि. डीईई/टीआरएस/बीएल इलेक्ट्रिक लोको शेड, पश्चिम रेलवे, वलसाड – 396001 द्वारा **ई-निविदा सूचना क्रमांक : ईएल/टीआरएस/बीएल/25-26/डब्ल्यूओ/02,** दिनांक **05/05/2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य :** 3 वर्ष की अवधि हेतु लोको कैब, मशीन कक्ष, फिल्टर्स, लुक आउट ग्लास, कैटल गार्ड (सीओ) आदि का अनुरक्षण/देखरेख कार्य. **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 6015949.6, ईएमडी : रु. 1,20,300, **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय :** 28/05/2025 को 12:00 बजे तक, **निविदा खोलने की तिथि व समय :** 28/05/2025 को 12:30 बजे, अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0144

आपका लाइक करः facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई - निविदा आमंत्रण सूचना सं. :- भुसावल_ईलेक्ट_टीआरडी_40_2025 दिनांक 13.05.2025

भारत के महामाहिम राष्ट्रपति हेतु सीनियर डिवीज़नल बिजली इंजीनियर (क.वि.) मध्य रेल, भुसावल द्वारा निम्न लिखित कार्य हेतु डीजीटेली हस्ताक्षरित ऑनलाइन ओपन ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम**: मध्य रेलवे के भुसावल मंडल के भुसावल - बडनेरा खंड में सुरक्षा और विश्वसनीयता हेतु मेसर्स निक्को कंपनी की सिल्वर ब्रेज़्ड जॉइंट युक्त संपर्क तार प्रणाली का प्रतिस्थापन। **कार्य की लागत**: रु.4,01,45,675.50. **बयाना राशि**: रु. 3,50,700/-. **निविदा जमा करने की अंतिम तारीख, समय**: 12.06.2025 up to 15:00 hrs. अतिरिक्त जानकारी के लिए वेब साइट का पता: **www.ireps.gov.in**

DE-52

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

सैनिकों के सम्मान में ठाणे में निकली भव्य तिरंगा रैली

एकनाथ शिंदे, प्रताप सरनाईक, नरेश म्हस्के हुए सहभागी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , शिवसेना ने ठाणे शहर में भारतीय सेना के सम्मान में एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया। भारतीय नागरिकों की रक्षा करने वाले अपने सैनिकों का आभार व्यक्त किया और उनका मनोबल बढ़ाने का प्रयास किया।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्वयं इस रैली में भाग लिया। उनके साथ मंत्री प्रताप सरनाईक, सांसद नरेश म्हस्के आदि प्रमुख रूप से शामिल थे। विधायक रवींद्र फाटक, रामरेपाले, हेमंत पवार, द्वारकानाथ भोईर, मनोज शिंदे, एकनाथ भोईर,

शिवसेना पदाधिकारी, नगरसेवक, कार्यकर्ता, शिव सेनिक और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।रैली के दौरान ₹वंदे मातरम₹ और ₹भारत माता की जय₹ जैसे देशभक्ति के नारे लगाए गए। सभी के चेहरे पर देश के प्रति गर्व और सेना के प्रति सम्मान झलक रहा था। नागरिकों ने उत्साह के साथ रैली में भाग लिया। लगभग साढ़े तीन घंटे तक चली यह रैली स्टेशन के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरी। रैली सरकारी विश्राम गृह से शुरू हुई और ठाणे मनपा, गोखले रोड, वागले एस्टेट, इंदिरानगर और पांचपाखड़ी से होकर गुजरी।

ठाणे जिले में पहली मेट्रो ,मेट्रो लाइन-9 के पहले चरण का ट्रायल

मीरा-भाईंदर को मुंबई के पश्चिम-पूर्वी उपनगरों और अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ने वाली मेट्रो लाइन-9

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के लिए एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में, मेट्रो लाइन-9 के पहले चरण का ट्रायल रन औपचारिक रूप से शुरू किया गया। ठाणे जिले में पहली मेट्रो सेवा के कार्यान्वयन की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। मेट्रो के इस ऐतिहासिक क्षण का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष; एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री श्री अजीत पवार ने मेट्रो का तकनीकी निरीक्षण भी किया गया।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, विधान परिषद सदस्य निरंजन डावखरे, विधायक नरेन्द्र मेहता, एमएमआरडीए महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी, अतिरिक्त महानगर आयुक्त-1, विक्रम कुमार, प्रबंध निदेशक, एमएमआरडीए, एमएमएमओसीएल,

पूर्व सांसद श्री गोपाल शेट्टी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर श्रीमती रूबल अग्रवाल, मीरा-भाईंदर मनपा आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद शर्मा, अतिरिक्त कलेक्टर हरिचंद्र पाटिल, मीरा-भाईंदर पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे, सहायक आयुक्त दत्ता शिंदे, प्रांतीय कलेक्टर उर्मिला पाटिल, तहसीलदार नीलेश गौड़ एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मेट्रो लाइन-9: परियोजना जो ठाणे जिले को बदल देगी

यह पहली बार है कि मुंबई में इस तरह की डबल डेकर परियोजना शुरू की गई है, जहां मेट्रो और फ्लाईओवर एक ही संरचना में हैं। मेट्रो लाइन-9 का पहला चरण दहिसर (पूर्व) से काशीगांव तक 4.4 किलोमीटर लंबा है। इस मार्ग पर चार स्टेशन हैं झ दहिसर (पूर्व), पांडुरंगवाड़ी, मीरागांव और काशीगांव। मेट्रो से मीरा-भाईडरकरों के लिए मुंबई के विभिन्न कोनों तक पहुंचना आसान और तेज हो जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि परियोजना के तकनीकी परीक्षण शुरू हो गए हैं। यह मेट्रो लाइन वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर यातायात की भीड़ को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पहली बार मेट्रो और फ्लाईओवर को एकीकृत किया गया है। हमारी योजना इस साल 50 किमी, अगले साल 62 किमी और तीसरे साल 60 किमी शुरू करने की है।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि विरार तक विस्तार से ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों को सीधा संपर्क मिलेगा। एमएमआरडीए के नेतृत्व में 337 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क बनाया जा रहा है। हमारा लक्ष्य हर साल 50-60 किलोमीटर मेट्रो शुरू करना है। इससे भीड़भाड़ कम होगी और प्रदूषण पर नियंत्रण होगा। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि मेट्रो लाइन-9 आम यात्रियों की दृष्टि से बहुत उपयोगी है। यह कम समय में लंबी दूरी पार करने, इंटरचेंज के कारण आसान यात्रा और समग्र आर्थिक गतिशीलता की सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एमएमआरडीए के आईपीएस मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर डॉ. संजय मुखर्जी ने कहा कि मेट्रो लाइन-9 सिर्फ एक नई लाइन नहीं है, बल्कि मीरा-भाईंदर को पूरे मुंबई महानगर क्षेत्र से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसे मेट्रो 2ए, 7, 1 और भविष्य की लाइनों 10 और 13 से आसानी से जोड़ा जा सकेगा। इस लाइन से मीरा-भाईंदर से अंधेरी, घाटकोपर, ठाणे और वसई-विरार जैसे भागों तक निर्बाध यात्रा संभव हो सकेगी। यह ट्रायल रन सिर्फ एक तकनीकी परीक्षण नहीं है, बल्कि मीरा-भाईंदर सहित पूरे मुंबई महानगर क्षेत्र के लिए टिकाऊ, सुलभ और समावेशी सार्वजनिक परिवहन के एक नए युग की शुरूआत है।

फास्ट ट्रैक

ठाणे मनपा स्कूलों का 10वीं का रिजल्ट 91.98 फीसदी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे मनपा के कुल 23 माध्यमिक विद्यालयों ने एसएससी परीक्षा में 91.98 प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। पिछले साल यह आंकड़ा 83.94 प्रतिशत था। इस वर्ष मनपा के चार माध्यमिक विद्यालयों का परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। पिछले वर्ष तीन स्कूलों का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने सभी छात्रों को बधाई और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इस वर्ष ठाणे मनपा के माध्यमिक विद्यालयों से 1323 विद्यार्थी 10वीं कक्षा की परीक्षा में बैठे। इनमें से 1217 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। उपायुक्त (शिक्षा) सचिन सांगले ने बताया कि स्कूल नंबर 15, किसनगर, स्कूल नंबर 16, सावरकर नगर, स्कूल नंबर 18, ज्ञान साधना और स्कूल नंबर 19 सावरकर नगर का परिणाम 100 प्रतिशत रहा है। वहीं मनपा के चार स्कूलों का परिणाम 90 प्रतिशत से अधिक रहा है। मराठी माध्यम का समग्र परिणाम 80.67 प्रतिशत है। रात्रिकालीन स्कूलों (मराठी माध्यम) का परिणाम 62.50 प्रतिशत रहा। उर्दू माध्यम का परिणाम 97.78 प्रतिशत, अंग्रेजी का 92.47 प्रतिशत तथा हिन्दी माध्यम का 59.37 प्रतिशत रहा।

शराबी ने सरकारी अस्पताल में मचाया उत्पात

डॉक्टर के इलाज करते समय किया हंगामा, पुलिस आई फिर भी नहीं माना

शाहजहांपुर , पुवायां सरकारी अस्पताल में एक शराबी व्यक्ति ने जमकर हंगामा किया। नगरिया प्रयागपुर का रहने वाला राम सुनील नशे की हालत में अस्पताल पहुंचा। इमरजेंसी कक्ष में डॉक्टर एमके सिंह एक सड़क दुर्घटना के घायल मरीज का इलाज कर रहे थे। इस दौरान राम सुनील ने वहां पहुंचकर बवाल शुरू कर दिया। मेडिकल स्टाफ ने जब उसे समझाने की कोशिश की तो वह गालियां देने लगा। इसके बाद राम सुनील ने खुद ही डायल 112 पर पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मेडिकल स्टाफ और राम सुनील से पूछताछ की। हालांकि, नशे की हालत में होने के कारण पुलिस ने उसे छोड़ दिया। पुलिस ने उसका मेडिकल भी नहीं कराया। राम सुनील अस्पताल परिसर में लगातार हंगामा करता रहा।

एससी-एसटी एक्ट का वांछित आरोपी गिरफ्तार

तिलहर में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबोचा, चल रहा था फरार

शाहजहांपुर , तिलहर कोतवाली पुलिस ने लड़ाई-झगड़ा और एससी-एसटी एक्ट के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को मोहल्ला बारह पत्थर से वांछित आरोपी को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बेचें उर्फ प्रदीप (24) के रूप में हुई है। वह रक्षपाल का पुत्र है और मोहल्ला बारह पत्थर का निवासी है। पुलिस टीम ने उसे मोहल्ले से ही दबोच लिया। कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि वांछित वारंटी आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत बेचें की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने आरोपी को कोतवाली लाकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध खनन की ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक को मारी टक्कर

शाहजहांपुर में बुजुर्ग की मौत, परिजनों ने की कार्रवाई की मांग

शाहजहांपुर, पुवायां थाना क्षेत्र में एक दुर्घटना में अवैध खनन में लगी ट्रैक्टर-ट्राली ने एक मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। आसपास बढारू गांव के समीप हुई। इटौली गांव निवासी अरविंद कुमार अपने ताऊ बलराम के साथ सहोरा मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। नाहिल-पुवायां रोड पर ट्रैक्टर-ट्राली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घायलों को 108 एम्बुलेंस से पुवायां के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान बलराम की मौत हो गई।

कोपरी में मजदूरों को मिली मारुति, सखाराम से प्रेरणा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , महाराष्ट्र की लोकप्रिय फिल्म अता थाबाईचा नाय' में नगरपालिका कर्मचारियों की भूमिका निभाने वाले कम पढ़े-लिखे मारुति कदम और सखाराम मंचेकर द्वारा दिखाई गई दृढ़ता, लगन और शिक्षा के प्रति जुनून से मनपा के कर्मचारियों ने प्रेरणा ली है। भाजपा के पूर्व वरिष्ठ नगरसेवक भरत चव्हाण और भाजयुमो के प्रदेश सचिव ओंकार चव्हाण ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर कोपरी में कार्यरत मनपा के श्रमिकों के लिए 'अता थाबाईचा नाय' फिल्म का विशेष शो आयोजित किया। मराठी फिल्म 'अता थाबाईचा नाय' मुंबई महानगरपालिका के स्वच्छता एवं जल विभाग के कुछ अशिक्षित कर्मचारियों के 10वीं कक्षा पास करने के सफल प्रयासों पर आधारित है। पूर्व भाजपा वरिष्ठ नगरसेवक भरत चव्हाण और भाजयुमो के राज्य सचिव ओमकार चव्हाण ने सोमवार को तारामौली सोशल सोसाइटी के माध्यम से कोपरी के आनंद सिनेमा हॉल में एक कार्यक्रम आयोजित किया था। उन्हें श्रमिकों से सहज प्रतिक्रिया मिली है। शिक्षा पूरी

होने की चमक कई पुरुष और महिला श्रमिकों की आंखों में देखी गई, जिन्हें अपनी पढ़ाई छोड़कर नौकरी ढूंढनी पड़ी। भाजपा विधायक संजय केलकर, विधायक निरंजन डावखरे, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष संजय वाघुले, तारामौली के संस्थापक भावना चव्हाण, डॉ. एस.के. सोनल चव्हाण उपस्थित थे। फिल्म के माध्यम से मजदूरों की शिक्षा पूरी करने के संघर्ष को अच्छे तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म महाराष्ट्र के श्रमिकों को प्रेरणा देगी। विधायक संजय केलकर ने कहा कि पूर्व नगरसेवक भरत चव्हाण और ओंकार चव्हाण द्वारा कोपरी के श्रमिकों के लिए आयोजित फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग सराहनीय है। विधायक निरंजन डावखरे ने निशुल्क फिल्म दिखाने के लिए कार्यकताओं को धन्यवाद दिया।

अग्नि पीड़ितों को मिली मदद

रायबरेली सांसद की ओर से राहत किट वितरित, खाद्य सामग्री और जरूरी सामान शामिल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रायबरेली, चंदापुर थाना क्षेत्र के पूरे छत्ता गांव में हुई आग की घटना के पीड़ितों की मदद के लिए कांग्रेस ने हाथ बढ़ाया है। अमांवा के कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अशरफ खां बुधवार को गांव पहुंचे। उन्होंने रायबरेली सांसद की ओर से राहत किट पीड़ित परिवारों को वितरित की। राहत किट में दैनिक जीवन की आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं। इनमें आटा, दाल, चावल, तेल और नमक जैसी खाद्य सामग्री दी गई।

साथ ही कड़ाही, कटोरी, लोटा, गिलास और चम्मच जैसे बर्तन भी शामिल थे। पीड़ित परिवारों को दरी, चद्दर के साथ महिलाओं और पुरुषों के कपड़े भी दिए गए। राहत सामग्री वितरण के दौरान प्रधान प्रतिनिधि संतोष सिंह मौजूद रहे। कांग्रेस नेता राजेंद्र मौर्या और लाल बहादुर यादव सहित अन्य लोग भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

महावीर स्टडी इस्टेट का शैक्षणिक प्रदर्शन

- सीबीएसई 10वीं में शत-प्रतिशत और 12वीं में क्षेत्र में अव्वल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रायबरेली, महराजगंज स्थित महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेंडरी कॉलेज ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं। कक्षा 10वीं का परिणाम 100 प्रतिशत रहा है। छात्रों ने हिंदी में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अंग्रेजी और सोशल साइंस में 93-93 प्रतिशत अंक मिले। साइंस और मैथ में 89-89 प्रतिशत अंक हासिल किए। कक्षा 10वीं में अहद खान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अरुणेंद्र द्वितीय और अनमोल तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 12वीं में विद्यालय ने क्षेत्र में पहला स्थान प्राप्त किया। छात्रों ने अंग्रेजी में 97 प्रतिशत अंक हासिल किए। केमिस्ट्री, हिंदी और फिजिकल एजुकेशन में 94-94 प्रतिशत अंक मिले। फिजिक्स में 90 प्रतिशत और गणित में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इकोनॉमिक्स में 88 प्रतिशत, बायोलॉजी में 87 प्रतिशत और बीएसटी में 85 प्रतिशत अंक मिले।

कक्षा 12वीं में अमित यादव प्रथम, सेजल सिंह द्वितीय और आर्यन अवस्थी तृतीय स्थान पर रहे। प्रधानाचार्य कमल वाजपेई ने सभी छात्रों का माला पहनाकर सम्मान किया। कॉलेज प्रबंधक ने छात्रों, अभिभावकों और अध्यापकों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

बाइक हादसे में घायल हाईस्कूल छात्र की मौत

- दिल्ली ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम, 4 मई को हुआ था एक्सीडेंट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक दर्दनाक सड़क हादसे का शिकार हुए 13 वर्षीय हाईस्कूल छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान थाना मिजार्पुर क्षेत्र के सिंघई गांव निवासी नरेंद्र के रूप में हुई है। जब नरेंद्र अपने साथी सतपाल के साथ बाइक से सब्जी खरीदने जा रहा था। कोला पुल के पास दो सवारियों वाली दूसरी बाइक से उनकी टक्कर हो गई। इस हादसे में कुल चार लोग घायल हुए थे। गंभीर रूप से घायल नरेंद्र को पहले बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने दिल्ली रेफर कर दिया। दुर्भाग्यवश,

दिल्ली ले जाते समय रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। इस हादसे में पहले ही एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। दो अन्य घायलों का अभी भी इलाज जारी है। मृतक के परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पत्नी की मौत के बाद पति ने दी जान

बरेली में प्रसव के दौरान हुई थी पत्नी की मौत, पति ने बुआ के घर में लगाई फांसी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पत्नी की मौत से सदमे में आए पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक राजीव कुमार लखीमपुर के मैलानी क्षेत्र के लोचनपुर गांव का निवासी था। परिजनों के मुताबिक, राजीव की पत्नी कामिनी पिछले 20 दिनों से बीमार थी। बीस दिन पहले उसने एक बच्ची को जन्म दिया था, लेकिन जन्म के दौरान ही नवजात की मौत हो गई। इसके बाद कामिनी की तबीयत लगातार बिगड़ती गई। राजीव ने पहले उसे लखीमपुर, फिर पीलीभीत और आखिर में बरेली के अस्पताल में

भर्ती कराया, जहां मंगलवार शाम इलाज के दौरान कामिनी की मौत हो गई। कामिनी का शव जब घर लाया गया, तो राजीव उसे देखकर बदहवास हो गया और घर से चला गया। बुधवार सुबह जब पत्नी के अंतिम संस्कार की तैयारी हो रही थी, तब राजीव की तलाश की गई। पता चला कि वह खुटार क्षेत्र में अपनी बुआ के घर गया था, जहां उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे राजीव के चाचा होरीलाल ने बताया कि राजीव की शादी करीब 20 साल पहले पीलीभीत जिले के थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के जौहरगंज गांव में हुई थी। दोनों के बीच गहरा प्रेम था। बीमारी के दौरान राजीव बार-बार कहता था, अगर मेरी पत्नी को कुछ हुआ, तो मैं भी नहीं बचूंगा। परिजनों ने बताया कि सात साल पहले उनके बेटे अनमोल की बंदर के हमले में मौत हो गई थी। अब राजीव की आठ साल की एक बेटी ही बची है। परिजन दोनों की प्रेम कहानी और दुखद अंत को देखते हुए अब गुरुवार सुबह पति-पत्नी का एक साथ अंतिम संस्कार करेंगे। परिजनों के अनुसार, करीब दस साल पहले राजीव का ससुराल में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद उसने ससुराल जाना छोड़ दिया और कामिनी ने भी मायके जाना बंद कर दिया था। दस साल से वह मायके नहीं गई। राजीव और कामिनी के बीच गहरा प्रेम था। पत्नी का साथ छूटते ही राजीव ने भी दुनिया को अलविदा कह दिया।

सपा सांसद आदित्य यादव बोले- भाई-भाई को लड़ाती है बीजेपी

भाजपा पर बोला हमला, कहा- सत्ता के लिए समाज में करती है विभाजन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, जलालाबाद में समाजवादी पार्टी का भाईचारा सम्मेलन आयोजित किया गया। काकोरी शहीद इंटर कॉलेज में मंगलवार दोपहर 2 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में बदायूं के सांसद आदित्य यादव मुख्य अतिथि रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए आदित्य यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी अब देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह सत्ता के लिए समाज में विभाजन करती है। यादव ने कहा कि सामंतवादियों के इशारे पर लोगों के घर बुलडोजर से गिराए जा रहे हैं। कार्यक्रम में सपा के राष्ट्रीय महासचिव सलीम शेरवानी ने पीडीएफ

परिवार को मजबूत करने की बात कही। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाने का आह्वान किया। समाजवादी पार्टी की नेत्री डॉ. सुचि कश्यप के आवाहन पर आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा, अवधेश वर्मा, पूर्व एमएलसी अमित यादव और जिलाध्यक्ष तनवीर खान समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रोड पर खड़ी बस में पिकअप ने मारी टक्कर

शाहजहांपुर में चालक की मौत, बदायूं के परिवार को दी सूचना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, सीतापुर रोड पर जमुका के पास एक दुर्घटना में पिकअप चालक की मौत हो गई। बदायूं के दातागंज निवासी अमित अपनी पिकअप से शाहजहांपुर से लखनऊ की ओर जा रहे थे। रास्ते में उनकी पिकअप रोड किनारे खड़ी एक खराब बस से पीछे से टकरा गई। टक्कर के बाद अमित पिकअप की सीट में फंस गए। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप से चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। थाना प्रभारी राजीव कुमार के अनुसार, पुलिस ने मृतक की पहचान कर परिजनों को सूचित किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सूचना मिलते ही परिजन शाहजहांपुर पहुंच गए हैं।

दोस्त की निर्मम हत्या करने वाला गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक युवक ने अपनी नाबालिग बहन से प्रेम संबंध बनाने पर दोस्त की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी संतोष को गिरफ्तार कर लिया है। घटना बेहटा मोहल्ले की है। मृतक कौशल उर्फ मंगल और आरोपी संतोष पुराने दोस्त थे। संतोष की 17 वर्षीय बहन से कौशल ने प्रेम संबंध बना लिए थे। इस वजह से गांव में परिवार की बदनामी हो रही थी। संतोष ने कौशल को कई बार समझाया कि वह उसकी बहन से दूर रहे। लेकिन कौशल नहीं माना। संतोष उड़ीसा में काम करने चला गया। 13 मई को वह घर लौटा और कौशल को शराब पिलाने के बहाने बुलाया। खेत में ले जाकर संतोष ने कौशल पर डंडे से हमला किया। बेहोश होने पर चाकू से कई वार कर दिए। घटना के बाद आरोपी भाग गया, लेकिन उसकी साइकिल मौके पर छूट गई। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर निगोही रोड स्थित कस्तूरबा विद्यालय के पास से आरोपी को पकड़ा। एसपी राजेश द्विवेदी के अनुसार, आरोपी के हाथ पर लगा खून मृतक का था। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

अमेरिकी एक्सपर्ट बोले-ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान कब्जे के लिए नहीं था

रणनीतिक मकसद के लिए था, भारत ने इसे 4 दिन में पूरा किया

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिका के मिलिट्री एक्सपर्ट जॉन स्पेंसर ने कहा है कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए अपने रणनीतिक मकसद को पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन पीओके पर कब्जे या फिर पाकिस्तान की सत्ता बदलने की मकसद से नहीं शुरू किया गया था। एक्सपर्ट ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। कुछ लोग इसे सीजफायर कह सकते हैं, लेकिन यह विराम नहीं है। फिलहाल भारत ने एक बड़ी जीत हासिल कर ली है। स्पेंसर के मुताबिक भारत ने पहले की तरह न तो संयुक्त राष्ट्र का दरवाजा खटखटाया और न ही पाकिस्तान को चेतावनी दी। भारत ने सीधे लड़ाकू विमान भेजे और सटीक हमला किया। उन्होंने कहा कि भारत ने इस ऑपरेशन के जरिए आतंक के खिलाफ उसकी रणनीति को नए स्तर पर पहुंचाया और पाकिस्तान को भी साफ संदेश दिया है कि आतंक का जवाब युद्ध से मिलेगा। जॉन स्पेंसर मॉडर्न वॉर इंस्टीट्यूट में चेयरमैन हैं।

उन्होंने कहा कि इंडियन एयर फोर्स ने 7 मई को पाकिस्तान में 9 ठिकानों पर सटीक हमला किया था। इससे पाकिस्तान और पीओके में मौजूद अहम आतंकी शिविर तबाह हो गए। उन्होंने कहा कि भारत ने सिर्फ दिखावे के लिए एक्शन नहीं लिया बल्कि सोच-समझकर पूरी प्लानिंग के साथ हमला किया। भारत ने इस कार्रवाई के जरिए यह संदेश दिया कि अब पाकिस्तान की जमीन से हुए आतंकी हमले का मतलब सीधा युद्ध है। स्पेंसर ने कहा कि भारत का एक्शन दिखाता है कि भारत अब परमाणु धमकी से नहीं डरता। भारत परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में विकसित हो रहे आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमला करेगा। उन्होंने कहा कि जवाबी कार्रवाई से ज्यादा यह एक नए सिद्धांत की घोषणा थी, जिसमें साफ कहा गया कि भारत अब आतंकवाद और बातचीत को एक साथ स्वीकार नहीं करेगा। खून और पानी साथ नहीं बह सकते। यही भारत का नया सिद्धांत है। भारत अब पुराने युद्ध की नहीं बल्कि आने वाले जंग की तैयारी में लगा हुआ है। स्पेंसर के मुताबिक यह सिर्फ एक सैन्य जीत नहीं थी, बल्कि गोलाबारी के बीच एक सोची-समझी योजना को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। इससे बड़े रणनीतिक फायदे भी मिले। अब भारत ने साफ कर दिया है कि अगर पाकिस्तान से आतंकवादी हमला हुआ, तो सेना से जवाब दिया जाएगा। यह कोई सिर्फ धमकी नहीं, बल्कि अभी जो हुआ है उसकी मिसाल है। भारत ने दिखा दिया कि वह पाकिस्तान के किसी भी ठिकाने पर हमला कर सकता है। चाहे वो आतंकी कैंप हो, ड्रोन का अड्डा हो या एयरबेस। वहीं, पाकिस्तान भारत में कहीं घुस ही नहीं पाया। यह बराबरी की लड़ाई नहीं थी। भारत की ताकत बहुत ज्यादा दिखी। भारत ने जोरदार जवाब दिया, लेकिन एक बड़ी जंग से बचा। इसने दुनिया को ये संदेश दिया कि भारत चुप नहीं बैठेगा, लेकिन हालात को काबू में भी रखेगा। भारत ने इस संकट को बिना किसी विदेशी मदद या दबाव के खुद संभाला। भारत ने जो भी कदम उठाए, अपने ही तरीके और शर्तों पर उठाए। यही भारत की असली और बदली नीति है। स्पेंसर लिखते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर कब्जे या फिर सत्ता परिवर्तन के बारे में नहीं था। यह खास मकसद के लिए की गई छोटे समय की जंग थी। आलोचना करने वाले कहते हैं कि भारत को और आगे जाना चाहिए था, लेकिन वह भूल जाते हैं कि रणनीतिक सफलता किसी बड़े विनाश से नहीं मापी जाती है, बल्कि राजनीतिक असर से मापी जाती है। स्पेंसर लिखते हैं कि भारत का संयम कमजोरी नहीं, परिपक्वता है।

पाकिस्तान सेना के समर्थन में जुटे हजारों आतंकी

2 दिन पहले कराची में निकाली रैली; बुलेटप्रूफ ग्लास के पीछे खड़े होकर भारत विरोधी भाषण दिए

एजेंसी

इस्लामाबाद, कराची में 12 मई को हजारों कट्टरपंथी नेताओं और आतंकवादियों ने पाकिस्तान सेना के समर्थन में रैली की। इस रैली में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और अहले सुन्नत वल जमात शामिल थे। दोनों ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठन घोषित हैं। ऑपरेशन बनयान-उन-मर्सूस का जश्न मनाते हुए रैली में आतंकियों और कट्टरपंथी नेताओं ने बुलेटप्रूफ ग्लास के पीछे खड़े होकर भारत विरोधी भाषण दिए। पाकिस्तान की दिफा-ए-वतन काउंसिल की दिफा-ए-वतन रैली का आयोजन जमीयत उलेमा-ए-

इस्लाम-फजल के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने किया था। दिफा-ए-वतन काउंसिल (डीडब्ल्यूसी) पाकिस्तान के धार्मिक और राजनीतिक संगठनों का गठबंधन है। इसका मकसद देश की रक्षा करना है। इस रैली में कई कट्टरपंथी मौलाना भी शामिल भी शामिल हुए। इन्होंने भारत के खिलाफ भड़काऊ बयानबाजी की और दोनों देशों के संघर्ष को धर्म से जोड़कर पेश किया। कट्टरपंथी मुफ्ती तारिक मसूद ने कहा कि पाकिस्तान के गद्दार पाक आर्मी को सेक्युलर कहते हैं, जबकि हमारे दुश्मन हमारी आर्मी को मजहबी आर्मी कहते हैं। इस युद्ध को जीतने के बाद यह तय हो गया है कि हमारी सेना सेक्युलर नहीं है। यह एक ऐसी सेना है जो शहादत (बलिदान) का जुनून रखती है और मजहब और इस्लाम के नाम पर, अल्लाह के नाम पर अपनी जान कुर्बान कर देती है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (सिंध) के महासचिव अल्लामा राशिद महमूद ने भारत को खुलेआम धमकी दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आर्मी ने इजराइली ड्रोनों को गिराकर उसका घमंड चकनाचूर कर दिया। फ्रांस के राफेल जेट को मार गिराया और रूस में बने र-400 डिफेंस सिस्टम को भी तबाह कर दिया।

इससे रूस को भी पता चल गया है कि पाकिस्तान से पंगा लेने से पहले तुम्हें सौ बार सोचना चाहिए। पाकिस्तान आर्मी और आतंकियों के बीच लंबे वक्त से गठजोड़ रहा है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए पाकिस्तानी आतंकियों के जनाजे में वहां की सेना के सीनियर अफसर और नेता भी शामिल हुए थे। इसकी एक फुटेज भी सामने आई थी। इस फुटेज में पाकिस्तानी नेता ओर अफसर, लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अब्दुल रऊफ के साथ जनाजे की नमाज पढ़ते दिख रहे थे।

ट्रम्प ने सीरियाई राष्ट्रपति अल-शरा से मुलाकात की

5 महीने पहले 85 करोड़ का इनाम हटाया था; सीरिया में अमेरिकी बैन हटने से जश्न

एजेंसी

रियाद, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रियाद में सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा उर्फ अबु मोहम्मद अल-जुलानी के साथ मुलाकात की है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2000 के बाद पहली बार है जब अमेरिका और सीरिया के राष्ट्र प्रमुख की मुलाकात हुई है। इस दौरान सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी मौजूद रहे। वहीं, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तय्यप एर्दोगन भी ऑनलाइन मीटिंग में साथ थे। अमेरिका ने जुलानी पर 1 मिलियन डॉलर (करीब 85 करोड़ रुपए) का इनाम रखा था। लेकिन पिछले साल दिसंबर में जुलानी के अंतरिम राष्ट्रपति बनने के बाद यह इनाम हटा लिया गया था। ट्रम्प ने सीरिया पर लगे सभी बैन हटाए डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को सीरिया पर लगाए गए सभी बैन हटाने का ऐलान किया था। उन्होंने तुर्किये और सऊदी अरब की अपील पर ऐसा किया था। सीरिया पर अमेरिकी प्रतिबंध हटाने का जश्न देशभर में मनाया जा रहा है। लोग सड़कों पर देश के झंडे के साथ खुशियां मना रहे हैं। दरअसल, सीरिया में पिछले साल दिसंबर में बशर अल असद का तख्तापलट किया गया था। असद के समय सीरिया को ईरान का समर्थन माना जाता था। तख्तापलट के बाद विद्रोही गुट तहरीर अल शाम

(एचटीएस) के लड़ाकों ने सरकार बनाई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर से भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर का क्रेडिट लिया है। मंगलवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में ट्रम्प ने कहा कि दोनों देशों के बीच सीजफायर में मध्यस्थता के लिए मैंने काफी हद तक बिजनेस का इस्तेमाल किया। सऊदी-अमेरिका इन्वेस्टमेंट फोरम में ट्रम्प बोले, 'मैंने भारत-पाक से कहा कि चलो दोस्तों, एक डील करते हैं। कुछ बिजनेस करते हैं। परमाणु मिसाइलों का व्यापार नहीं करते। बल्कि उन चीजों का बिजनेस करते हैं, जिन्हें आप इतनी खूबसूरती से बनाते हैं।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार को भी भारत-पाक सीजफायर का क्रेडिट खुद को दिया था। उन्होंने कहा था कि मैंने दोनों देशों को समझाया कि अगर लड़ाई नहीं रोकी तो ट्रेड नहीं करेंगे। डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति बनने के बाद मंगलवार को अपने पहले आधिकारिक विदेशी दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे हैं। ट्रम्प चार दिन के मिडिल ईस्ट दौरे पर हैं। रियाद में आज अमेरिका और गल्फ कॉपोरेशन काउंसिल (जीसीसी) के बीच गल्फ समिट होगी। इस समिट का आयोजन सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) कर रहे हैं। इसमें सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, कुवैत, ओमान, और कतर के प्रतिनिधि शामिल होंगे। गल्फ समिट में हिस्सा लेने के बाद ट्रम्प कतर रवाना होंगे। वे दौरे के आखिरी दिन यूएई पहुंचेंगे। अमेरिका और सऊदी अरब ने मंगलवार को 142 अरब डॉलर (12.1 लाख करोड़ रुपए) की डिफेंस डील साइन की है।

गाजा में 5 लाख लोगों पर भुखमरी का संकट

3 महीने से अनाज का एक दाना भी नहीं पहुंचा, इजराइल ने सप्लाई रोकी

एजेंसी

गाजा, गाजा में बीते 19 महीनों से जारी जंग के बीच 5 लाख लोगों पर भुखमरी का संकट पैदा हो गया है। इजराइल ने मार्च 2025 में गाजा के अंदर फूड और फ्यूल सप्लाई रोकने का फैसला किया था। इजराइली सरकार ने दावा किया था कि इससे हमास कमजोर होगा। गाजा के हालात पर 12 मई को संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट पेश की है। इसके मुताबिक अगर इजराइल पाबंदियां नहीं हटाता है

तो गाजा में हर 5 में से 1 व्यक्ति भुखमरी की चपेट में आ सकता है। साथ ही 21 लाख लोगों को अकाल का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्टूबर 2023 में शुरू हुए इजराइल-हमास संघर्ष में अब तक 61 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। यूएन की वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने कहा कि उनके पास खाने का स्टॉक खत्म हो गया है। ज्यादातर बेकरियां और दान से चलने वाले किचन बंद हो चुके हैं। गाजा के लिए यूएन के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) के डायरेक्टर एंटोनी रेनार्ड के मुताबिक इस इलाके की आबादी को खिलाने के लिए जरूरी भोजन इजराइल, मिस्र और जॉर्डन के गोदामों में पड़े हैं। ये गोदाम गाजा से महज 40 किमी दूर हैं। रेनार्ड ने कहा कि गाजा में डब्ल्यूएफपी के गोदाम खाली हैं और एजेंसी अब 10 लाख लोगों को भोजन मुहैया कराने की बजाय सिर्फ सिर्फ 2 लाख लोगों का भोजन ही बना पा रही है। यूएन और यूरोपीय देशों ने इजराइल से गाजा पट्टी में भुखमरी और अकाल की स्थितियों से निपटने के लिए गाजा को खाना पहुंचाने पर लगी रोक को जल्द खत्म करने की मांग की है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने 13 मई को एक बयान में कहा कि वे हमास को खत्म करने के लिए जंग जारी रखेंगे।

किसी को भी सेना पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं

सीएम रेखा गुप्ता ने आतिशी पर किया पलटवार

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और आप नेता आतिशी की भारत-पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुई सहमति पर की गई कथित टिप्पणी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि किसी को भी सेना पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। आप नेता की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा कि 140 करोड़ लोगों की देखभाल करना और सही निर्णय लेना केवल वही व्यक्ति कर सकता है जिसका काम ऐसा करना है किसी को भी सेना पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। रेखा गुप्ता ने कहा, बंद, वातानुकूलित कमरे में टेलीविजन देखते हुए कुछ भी कहना बहुत आसान है। इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री गुप्ता ने रायसीना हिल स्थित दिल्ली सचिवालय में लोक शिकायत निवारण प्रणाली पर समीक्षा बैठक की। उन्होंने प्रभावी शिकायत तंत्र स्थापित करने में विफल रहने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की और कहा कि उनकी सरकार लोगों की चिंताओं को सीधे संबोधित करने के लिए एक नई प्रणाली पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, दिल्ली की लोक शिकायत प्रणाली पिछली सभी सरकारों के कार्यकाल में

आप नेता की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा कि 140 करोड़ लोगों की देखभाल करना और सही निर्णय लेना केवल वही व्यक्ति कर सकता है जिसका काम ऐसा करना है किसी को भी सेना पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है।

विफल रही... हमारी सरकार लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए एक अद्यतन शिकायत निवारण प्रणाली बनाने के लिए व्यापक होमवर्क कर रही है... हम हर रजिस्ट्रार, सब-रजिस्ट्रार, डीएम और एसडीएम कार्यालयों में शिकायत बॉक्स स्थापित करेंगे, जिसे सीएम कार्यालय सीधे संभालेगा... हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का अभ्यास कर रही है। मंगलवार को गुप्ता ने भारतीय सशस्त्र बलों की प्रशंसा की थी और ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया था। उन्होंने सीमा पार आतंकवाद से निपटने में सेना के प्रयासों की सराहना की और कहा कि देश सैनिकों के पीछे एकजुट है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित तिरंगा यात्रा के दौरान उन्होंने कहा, 140 करोड़ भारतीय सशस्त्र बलों और पीएम मोदी के समर्थन में खड़े हैं। सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान जानता है कि अगर उसने हमला किया तो उसे भारत से करारा जवाब मिलेगा।

करेगुट्टा नक्सल ऑपरेशन : कुल 31 नक्सलियों को जवानों ने किया ढेर, बड़ी मात्रा में हथियार बरामद

बीजापुर के करेगुट्टा नक्सल ऑपरेशन पर बीजापुर में सीआरपीएफ के डीजी और छत्तीसगढ़ पुलिस के डीजीपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की है.

सीआरपीएफ के डीजी ने क्या कहा ? : इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि हम पहली प्राथमिकता में हमने बस्तर और बीजापुर के उन स्कूलों को रखा है जिसे नक्सलियों ने बर्बाद कर दिया है. हम ऐसे स्कूलों को स्थापित करेंगे. हमारे इस ऑपरेशन से नक्सलियों को बड़ा झटका लगा है. नक्सलियों के बड़े नेता जिस जगह पर जुटते थे. उस स्थान पर हमने कार्रवाई की और उनकी योजना को असफल करने में हम सफल रहे हैं.

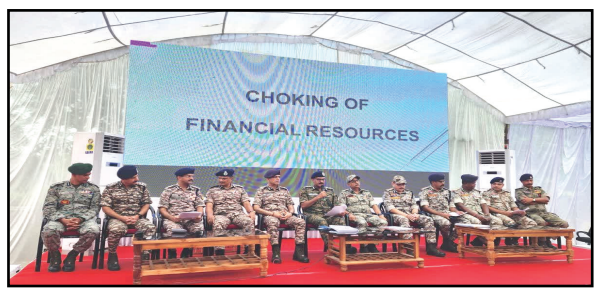

एजेंसी

बीजापुरः करेगुट्टा नक्सल ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने 31 नक्सलियों को मार गिराया है. छत्तीसगढ़ पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों ने यह जानकारी दी है. बीजापुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बात का खुलासा पुलिस अधिकारियों ने किया है. इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उफढऋ के डीजी और छत्तीसगढ़ के डीजीपी मौजूद रहे. कुल 31 नक्सली मारे गएः करेगुट्टा नक्सल ऑपरेशन में कुल 31 नक्सली मारे गए. यह ऑपरेशन करीब 16 दिनों से ज्यादा समय तक चला. नक्सलियों के खिलाफ इस अभियान में कुल 1 करोड़ 72 लाख के इनामी माओवादी मारे गए हैं. जिसमें 28 माओवादियों की पहचान हो चुकी है. अन्य तीन नक्सलियों की पहचान की जा रही है. सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के कुल 214 बंकरों को नष्ट किया है. माओवादियों के करीब 4 तकनीकी इकाइयों को तबाह किया गया है. जिसमें 4 लैथ मशीन और नक्सलियों का बीजीएल लॉन्चर और बीजीएल सेल शामिल है. नक्सली लेथ मशीन से इसे बनाने का काम करते थे.हमने नक्सलियों की हथियार बनाने वाले चार कंपनियों को खत्म किया है.अपने नक्सलियों का इलाज करने के लिए उन्होंने जिस तरीके से माओवादियों ने किलेबंदी की थी,उसे हमने ध्वस्त कर दिया है. जंगल में जिस तरीके से इन लोगों ने आईईडी लगा रखे हैं,जिससे गांव वाले शिकार होते थे. हमने नक्सलियों के उस आईईडी नेटवर्क को खत्म किया है. यह नक्सलियों की प्लानिंग पर सबसे बड़ा प्रहार है- ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, डीजी, सीआरपीएफ31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद होगा खत्मः सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में चार जिले अति नक्सल प्रभावित हैं. पूरे देश में 6 जिले अति नक्सल प्रभावित हैं. जिसमें छत्तीसगढ़ में चार, महाराष्ट्र में 1 और झारखंड में एक जिला है. सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और कांकेर छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित जिले हैं. उफढऋ के डीजीपी ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक जितने भी नक्सली हैं.उन्हें हर हाल में हम न्यूट्रलाइज कर देंगे चाहे वह आत्मसमर्पण करें नहीं तो उन पर कड़ी कार्रवाई होगी.31 मार्च 2026 तक जितने भी नक्सली हैं. उन्हें हर हाल मे हम न्यूट्रलाइज कर देंगे. नक्सलियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. किसी भी स्थिति में नक्सलवाद को खत्म करना है. यह हमारी प्रतिज्ञा है.- ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, डीजी, सीआरपीएफ450 आईईडी किया गया बरामदः सीआरपीएफ के डीजी ने कहा कि हमारे जवानों ने कुल 450 आईईडी को मौके से बरामद कर नष्ट किया है.

तुर्की के सेब नहीं खरीदेंगे, पाकिस्तान का साथ देने से नाराज साहिबाबाद मंडी के व्यापारियों का ऐलान

पाकिस्तान का समर्थन करने पर देश भर के लोगों ने अब तुर्की का जमकर बायकॉट करने का मन बना लिया है.

एजेंसी

नई दिल्ली/गाजियाबादः भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते बायकॉट तुर्की का नारा जोर पकड़ रहा है. पाकिस्तान का समर्थन करने पर देश भर के लोगों ने अब तुर्की का जमकर बायकाट करने का मन बना लिया है. गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित सब्जी मंडी में व्यापारियों ने तुर्की से आने वाले सेब का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है. व्यापारियों का कहना है कि अब हम तुर्की से आने वाला सेब न खरीदेंगे और न बेचेंगे, जिससे कि तुर्की को मुंह तोड़ जवाब मिलेगा. मौजूदा समय में भी व्यापारियों द्वारा तुर्की से सेब

नहीं मंगाया जा रहा है.साहिबाबाद मंडी के व्यापारियों का कहना है कि इस निर्णय से तुर्की को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचेगा. हिमाचल और कश्मीर के व्यापारियों से लगातार बातचीत जारी है. हमारा प्रयास रहेगा की मंडी में अधिकतर हिमाचल और कश्मीर का सेब पहुंचे. वहीं, व्यापारियों का कहना है कि तुर्की के सेब का बहिष्कार करने से किसी प्रकार की सेब की कीमतों में तेजी नहीं आएगी. बाजार में सेब का जो रेट चल रहा है उसी रेट पर सेब उपलब्ध होगा.

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा

विदेश मंत्रालय ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश राज्य में स्थानों का नाम बदलने के चीन के निरंतर प्रयासों को दृढ़ता से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा, हमने देखा है कि चीन भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के अपने व्यर्थ और बेतुके प्रयासों में लगा हुआ है।

चीन की नयी चाल का भारत ने दिया करारा जवाब

एजेंसी

विदेश मंत्रालय ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश राज्य में स्थानों का नाम बदलने के चीन के निरंतर प्रयासों को दृढ़ता से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा, हमने देखा है कि चीन भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के अपने व्यर्थ और बेतुके प्रयासों में लगा हुआ है। बयान में आगे कहा गया है, हमारे सैद्धांतिक रुख के अनुरूप, हम इस तरह के प्रयासों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं। रचनात्मक नामकरण से इस निर्विवाद वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं

आएगा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा।भारत ने अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने की चीन की कोशिशों को सिरे से खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि इस तरह के बेतुके प्रयासों से यह निर्विवाद सच्चाई नहीं बदलेगी कि यह राज्य भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। भारत ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के लिए चीन द्वारा उसके नामों की घोषणा किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह टिप्पणी की है। चीन दावा करता है कि अरुणाचल प्रदेश तिब्बत का दक्षिणी भाग है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने देखा है कि चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के व्यर्थ और बेतुके प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा, हम इस तरह के प्रयासों को अपने सैद्धांतिक रुख के अनुरूप स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं। जायसवाल ने इस मुद्दे पर मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, रचनात्मक नाम रखने से यह निर्विवाद वास्तविकता नहीं बदलेगी कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा।भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में 7 मई की सुबह आतंकी ढांचे पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सटीक हमले किए, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। भारतीय कार्रवाई के बाद, पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया।

संक्षेप

अवैध तमंचे के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

सोने के जेवर भी हुए बरामद, एक आरोपी छत्तरपुर का रहने वाला

बांदा, पुलिस ने चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में मटौंध थाना पुलिस ने की। घटना 31 मार्च की रात की है। मटौंध थाना क्षेत्र के ग्राम लोहरा निवासी देवीदीन ने 1 अप्रैल को अपने घर में हुई चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आलमखोड़ के पास से तीनों आरोपियों को पकड़ा। पकड़े गए आरोपियों में ओमप्रकाश शुक्ला कितपुरा चंदला छत्तरपुर का रहने वाला है। अन्य दो आरोपी हरेंद्र रैकवार और प्रीतम सिंह उर्फ राहुल सिंह घटरा गौरिहार छत्तरपुर के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों से एक जोड़ी पायल और एक जोड़ी बिछुआ बरामद किया है। चोरी की सोने की चेन बेचकर मिले 3 हजार रुपए भी बरामद हुए। इसके अलावा आरोपियों के पास से दो अवैध तमंचे 315 बोर और दो जिंदा कारतूस भी मिले हैं।

पशु तस्करी का भंडाफोड़

बबेरू में 46 पशुओं के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार, डीसीएम और लोडर से बरामद

बांदा, जिले के बबेरू थाना क्षेत्र में पुलिस ने पशु तस्करी के एक बड़े मामले का पदार्फाश किया है। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर की गई कार्रवाई में बबेरू कस्बे के मुख्य चौराहे से 6 तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने एक डीसीएम और एक लोडर से कुल 46 पशुओं को बरामद किया। डीसीएम से 21 भैंसे और 14 पड़वा/पड़िया बरामद हुए। वहीं लोडर से 10 भैंसे और एक पड़िया को मुक्त कराया गया। गिरफ्तार आरोपियों में फतेहपुर के थरियावं थाना क्षेत्र के दिहुली निवासी साबिर और सचौली निवासी सफीक शामिल हैं। कौशाम्बी के करारी थाना क्षेत्र के पाराहजन निवासी नूर मोहम्मद को भी पकड़ा गया। मध्य प्रदेश के सतना जिले के मरवा जैतवारा से साजिद खान, इबरान खान और हलीम को गिरफ्तार किया गया।

स्वास्थ्य विभाग पर भाजपा नेता का आरोप

अस्पतालों और लैब से करोड़ों की वसूली का दावा, सीएम योगी से की शिकायत

अमरोहा, भाजपा नेता पिंटू भाटी ने स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने जिले के अस्पतालों, अल्ट्रासाउंड सेंटर्स, पैथोलॉजी लैब्स और झोलाछाप डॉक्टरों से करोड़ों रुपए की अवैध वसूली का मामला उठाया है। हसनपुर में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यपाल सिंह ने पिंटू भाटी का अल्ट्रासाउंड सेंटर सील कर दिया। कारण था डॉक्टर की अनुपस्थिति। इस कार्रवाई के बाद भाटी और सीएमओ के बीच तीखी बहस हुई। कथित तौर पर धक्का-मुक्की का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पुलिस ने इस घटना का मुकदमा दर्ज किया है।

प्रयागराज में 18 लाख का गांजा पकड़ा, एक गिरफ्तार

नारकोटिक्स टास्क फोर्स, पुलिस ने 150 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, नारकोटिक्स टास्क फोर्स और फूलपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में 150 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने फूलपुर के चौधरी गली, बाबूगंज निवासी 61 वर्षीय ओमप्रकाश केसरवानी को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की कीमत 18 लाख रुपए आंकी गई है। बिहार से लाता था गांजा, खाते में मिले 9 लाख रुपए पूछताछ में ओमप्रकाश ने खुलासा किया कि वह गांजा बिहार के रोहतास जिले के बालगोविंद बिगहा निवासी सुनील कुमार चंद्रवंशी से खरीदता था। वह इसे छोटे-छोटे पैकेट में बांटकर प्रयागराज के विभिन्न क्षेत्रों में बेचता था। जांच में पता चला कि अभियुक्त के बैंक खाते में 8 से 9 लाख रुपये जमा हैं। पुलिस इस खाते को संगठित गिरोह की धारा के तहत सीज करने की कार्रवाई कर रही है। ओमप्रकाश एक भांग की दुकान में सेल्समैन का काम करता था।

उस पर एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले से तीन मुकदमे दर्ज हैं। डीसीपी गंगानगर जोन कुलदीप सिंह गुनावत और एडीसीपी पुष्कर वर्मा के अनुसार, पुलिस नशे के नेटवर्क की जांच कर रही है। गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के साथ बिहार के आपूर्तिकर्ता सुनील कुमार चंद्रवंशी की तलाश भी जारी है।

पीडब्ल्यूडी कैशियर रिश्वत लेते गिरफ्तार

गाजीपुर की फर्म का भुगतान रोककर मांगी थी घूस, एंटी करप्शन ने रंगे हाथों पकड़ा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड-5 के कैशियर अनंत मोहन शुक्ला को एंटी करप्शन टीम ने बुधवार को रिश्वत लेते पकड़ा। यह कार्रवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एडवोकेट दीपक कुमार पांडेय की शिकायत पर की गई। शिकायत में बताया गया था कि गाजीपुर की फर्म 'एस.पी. एंटरप्राइजेज' का भुगतान जानबूझकर रोका जा रहा था। कैशियर द्वारा फर्म से अवैध धनराशि की मांग की जा रही थी। एंटी करप्शन की प्रयागराज यूनिट ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। टीम ने कैशियर को रिश्वत लेते समय रंगे हाथों पकड़ा। पूरे घटनाक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई है। आरोपी को थाना जॉर्ज टाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज में ले जाया गया। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में कुछ अन्य कर्मचारियों के नाम भी सामने आए हैं। इन सभी की भूमिका की जांच की जा रही है। इस कार्रवाई से लोक निर्माण विभाग समेत अन्य सरकारी विभागों में सकते में हैं। अधिकारियों ने कहा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

महिला आयोग की सदस्य ने की जनसुनवाई

- 17 मामलों में से 3 का निस्तारण, घरेलू हिंसा और जमीनी विवाद के मामले सामने आए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य प्रियंका मौर्या दो दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचीं। उन्होंने तहसील सभागार गौरीगंज में महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों की जनसुनवाई की। जनसुनवाई में कुल 17 मामले सामने आए। इनमें घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा और जमीनी विवाद से जुड़े मामले शामिल थे। प्रियंका मौर्या ने तीन मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया। उन्होंने अधिकारियों को शेष मामलों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। प्रियंका मौर्या ने कहा कि पीड़ित महिलाओं को न्याय के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा। उन्होंने घरेलू हिंसा के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई। उनके अनुसार, सोशल मीडिया के कारण लोगों के बीच संवाद आसान हुआ है, लेकिन यह घरेलू हिंसा का एक कारण भी बन रहा है। महिला आयोग की सदस्य ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने और अपने परिवार के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। साथ ही घरेलू हिंसा से बाहर निकलने के लिए जागरूक रहना आवश्यक है।

सीतानगर कॉलोनी को मिली सौगात

65 लाख की लागत से 5 सड़कों का निर्माण शुरू, पालिकाध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, पयागीपुर वार्ड स्थित सीतानगर कॉलोनी में आज एक नई शुरूआत हुई। कई सालों से जर्जर सड़कों की समस्या से जूझ रहे इस क्षेत्र में नगर पालिका परिषद ने 65 लाख रुपये की लागत से 5 सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

पालिकाध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल ने भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य की शुरूआत की। अयोध्या-प्रयागराज मुख्य मार्ग के किनारे स्थित सीतानगर एक नई विकसित कॉलोनी है।

स्थानीय निवासियों की लंबे समय से सड़क और नाली जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग थी। इसी को देखते हुए नगर पालिका ने शासन को प्रस्ताव भेजा था। जल्द शुरू होंगे विकास कार्य पालिकाध्यक्ष ने बताया कि शेष विकास कार्यों को भी जल्द शुरू किया जाएगा। उन्होंने स्थानीय लोगों से पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम का संयोजन स्थानीय सभासद गिरीश कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर सभासद अखिलेश मिश्र, प्रवीण मिश्र, सुधीर तिवारी समेत कई गणमान्य नागरिक और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

दो बाइक की टक्कर में युवक की मौत

- अमेठी में दर्दनाक सड़क हादसा, दूसरा चालक फरार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, एक दर्दनाक सड़क हादसे में 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई। धनापुर गांव निवासी संजय विश्वकर्मा रामगढ़ गांव से एक निमंत्रण समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। अमेठी-शाहबरी मार्ग पर ननकूदास की कुटी के पास सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में संजय गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरी बाइक का चालक घायल होने के बावजूद मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल संजय को मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। संजय के परिवार में मां सरोजा देवी, पिता पृथ्वीपाल, छोटा भाई अंशु और बहनें दीपांजलि और निमरा हैं। इंस्पेक्टर शिवाकांत त्रिपाठी के अनुसार, अस्पताल प्रशासन से मौत की सूचना मिली है। तहरीर मिलने के बाद केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बारिश से पहले नगर निकायों का निरीक्षण

सहायक निदेशक ने नालियों की सफाई का लिया जायजा, वेतन रोकने की चेतावनी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, नगरीय निकाय निदेशालय के सहायक निदेशक अजय कुमार त्रिपाठी ने आज अमेठी में बारिश से पहले जलभराव की रोकथाम के लिए विभिन्न नगर निकायों का दौरा किया। उन्होंने नगर पालिका परिषद जायस, गौरीगंज, नगर पंचायत अमेठी और मुसाफिरखाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी निकायों के अधिशासी अधिकारी, लिपिक और सफाई नायक मौजूद रहे। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के मंडल कार्यक्रम प्रबंधक वैभव पांडेय और जिला कार्यक्रम प्रबंधक सूर्य प्रताप सिंह भी उपस्थित थे। सफाई व्यवस्था का जायजा सहायक निदेशक ने नालियों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कर्मचारियों को पीपीई किट के साथ काम करने के निर्देश दिए। पटरी दुकानदारों को प्लास्टिक के प्रयोग पर रोक लगाने और उल्लंघन पर जुमार्ना वसूलने के आदेश दिए गए। 20 मई की तिथि निर्धारित शासन ने नाला-नालियों की सफाई के लिए 20 मई की तिथि निर्धारित की है। सहायक निदेशक ने सभी अधिकारियों को समय पर सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर पालिका परिषद जायस और गौरीगंज में नालियों में अधिक कूड़ा पाए जाने पर संबंधित सफाई नायकों को चेतावनी दी गई। लापरवाही बरतने पर वेतन रोकने की कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

हनुमंत हॉस्पिटल में महिला की मौत

- पित्त की थैली के ऑपरेशन के बाद बिगड़ी तबीयत, परिजनों बोले- डॉक्टरों ने नहीं दिया सही इलाज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, जेल रोड स्थित हनुमंत मैटरनिटी एंड ट्रामा सेंटर में एक महिला मरीज की मौत के बाद विवाद खड़ा हो गया है। महाराजगंज बाजार की रहने वाली शिवकुमारी देवी को उनके बेटे अमरीश अग्रहरि ने मंगलवार को भर्ती कराया था। डॉ. मोहम्मद रजा ने पित्त की थैली का ऑपरेशन किया। मरीज के बेटे के मुताबिक, ऑपरेशन के बाद मां को बुखार आया। नर्स ने दवा देने की बजाय सिर्फ पट्टी रखने की बात कही। रात में तबीयत बिगड़ने पर कोई डॉक्टर नहीं आया। केवल युवा नर्सें ही मौजूद थीं। अगले दिन नर्स ने मरीज को टहलाया, जिससे उनकी तबीयत और बिगड़ गई। नर्स सिर्फ बीपी चेक करती रही। परिजनों के डॉक्टर को बुलाने के आग्रह पर डॉ. डीबी सिंह ने मरीज को गोमती हॉस्पिटल रेफर कर दिया। इसी दौरान मरीज की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि कुछ डॉक्टरों ने उन्हें कमरे में बुलाकर आईएमए की सदस्यता का हवाला दिया। डॉक्टरों ने हार्ट अटैक से मौत होने की बात कही, जबकि सुबह मरीज का बीपी नॉर्मल था। डॉ. डीबी सिंह का कहना है कि पित्त की थैली के स्टोन का ऑपरेशन सफल रहा था। सुबह के राउंड में मरीज की स्थिति ठीक थी।

श्री चित्रगुप्त धाम मंदिर में पांच दिवसीय आयोजन

एकादश मुखी हनुमान समेत कई देवी-देवताओं की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की हुई शुरूआत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, सीताकुंड स्थित श्री चित्रगुप्त धाम मंदिर में बुधवार से पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू हो गया है। मंदिर में एकादश मुखी हनुमान, श्री राम दरबार, श्री दुर्गा, शिव परिवार, बारह ज्योतिर्लिंग, शिवलिंग और नंदी महराज की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम के पहले दिन जलाधिवास का आयोजन किया गया। इसमें मंदिर के प्रबंधक पवन श्रीवास्तव अपनी पत्नी के साथ मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। शाम की पूजा में 5 अन्य विशिष्ट यजमान भी अपनी पत्नियों के साथ शामिल हुए। पूजन कार्यक्रम पंडित रोहित तिवारी समेत तीन पुजारियों ने संपन्न कराया। अन्न अधिवास का कार्यक्रम होगा। पांच अधिवास 14 से 17 मई तक निर्धारित किए गए हैं। 18 मई को मूर्तियों के साथ शहर के विभिन्न मार्गों से शोभायात्रा निकाली जाएगी। कार्यक्रम का समापन 20 मई को विशाल भंडारे के साथ होगा।

लापता किशोरी को बरामद करने के बाद हंगामा

परिजनों ने दरोगा की कार रोकी, किशोरी को जबरन ले जाने का प्रयास किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, जमुनापार थाना क्षेत्र से 20 दिन पहले लापता हुई किशोरी को पुलिस ने बुलंदशहर से बरामद किया। किशोरी के न्यायालय में दिए बयान के बाद जब दरोगा नरेंद्र सिंह उसे नारी निकेतन ले जा रहे थे, तब कचहरी स्थित पेट्रोल पंप के पास परिजनों ने कार को रोक लिया। परिजनों ने दारोगा पर दो लाख रुपये लेने का आरोप लगाया और अभद्रता की। उन्होंने कार में बैठी किशोरी को जबरन बाहर निकालने का प्रयास किया। किशोरी ने परिजनों के साथ जाने से इनकार कर दिया। करीब एक घंटे तक हंगामा चला। दरोगा ने मौका देखकर कार को आगे बढ़ा दिया। इस दौरान किशोरी को खींचने की कोशिश में उसकी मां जमीन पर गिर कर घायल हो गईं। यह पूरा घटनाक्रम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पुलिस ने किशोरी का चिकित्सीय परीक्षण कराया और न्यायालय में बयान दर्ज करवाए। परिजनों का आरोप है कि पुलिस उन्हें किशोरी से मिलने नहीं दे रही है और आरोपित से मिलीभगत कर रही है। सीओ सिटी भूषण वर्मा ने बताया कि किशोरी को जबरन ले जाने के प्रयास के मामले में परिजनों के द्वारा दरोगा के साथ की गई अभद्रता व सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में तीन नामजद व तीन से चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा थाना सदर बाजार में दर्ज कराया है।

राशन वितरण के दौरान ई-पॉस मशीन फटी

कोटेदार बचे, कोई हताहत नहीं; कोटेदार संघ ने बीमा और नियमित जांच की मांग की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जिले के संग्रामपुर ब्लॉक के गोरखापुर ग्राम पंचायत में राशन वितरण के दौरान एक ई-पॉस मशीन में विस्फोट हो गया। कोटेदार त्रिभुवन पाण्डेय राशन वितरण कर रहे थे। अचानक जोरदार धमाके के साथ मशीन फट गई। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद क्षेत्र के कोटेदारों में चिंता का माहौल है। कोटेदार संघ ने सरकार से दो प्रमुख मांगें की हैं। पहली, कोटेदारों के लिए बीमा की व्यवस्था की जाए। दूसरी, ई-पॉस मशीनों की नियमित तकनीकी जांच हो। संघ के पदाधिकारियों ने कोटेदारों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि मशीन में कोई खराबी दिखे तो तुरंत इंजीनियरों से संपर्क करें। तकनीकी अधिकारियों से भी मशीनों की नियमित जांच का आग्रह किया गया है। इससे कोटेदारों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

कर्नल सोफिया को आतंकियों की बहन बताकर अपमानित किया

राजा भैया बोले- भाजपा का न तो कोई बयान आया और न ही एक्शन हुआ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़ , मध्य प्रदेश के भाजपा मंत्री विजय शाह के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठी है। कांग्रेस युवा कमेटी ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई टिप्पणी को लेकर विरोध जताया है। कमेटी ने सिटी मजिस्ट्रेट को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। युवा कांग्रेस के पश्चिमी यूपी सचिव राजा भैया ने कहा कि कर्नल सोफिया ने पहलगाम घटना में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया। पूरा देश उनका सम्मान कर रहा है। लेकिन मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने उन्हें आतंकवादियों की बहन बताकर अपमानित किया है। भाजपा की ओर से न तो कोई बयान आया है और न ही कार्रवाई की गई राजा भैया ने कहा कि मंत्री की इस टिप्पणी पर भाजपा की ओर से न तो कोई बयान आया है और न ही कार्रवाई की गई है। इसलिए उन पर रासुका लगाने की मांग की गई है। सिटी मजिस्ट्रेट रमाशंकर सिंह ने बताया कि कांग्रेस कमेटी से ज्ञापन मिला है।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित । संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी